पौष शुक्ल पक्ष - 3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 170 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

23 दिसंबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

24.7 अधिकतम

7.4 न्यूनतम

Page-7

हरियाली के साथ विकास पर ऐतराज! सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल क्यों?

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अरावली पर बवाल - पार्ट -1

भारत की नरेंद्र मोदी सरकार ने बीते पांच सालों में देश की सुरक्षा, कारोबार और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से दो बड़े फैसले लिए हैं। 2021 में भारत के दक्षिण पूर्व में स्थित निकोबार परियोजना तथा दूसरी पश्चिमी से लेकर उत्तर तक फैली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली का ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट। इसे 2023 में केंद्र सरकार की काबीना ने मंजूरी दी। एक प्रोजेक्ट बंगाल की खाड़ी में प्रशांत महासागर से जुड़े इलाके में भारत को रणनीतिक, सामरिक और आर्थिक नजरिए से सुरक्षा की दीवार खड़ी करता है। दूसरा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट, पर्यावरण रक्षा , कार्बन रेटिंग्स में सुधार और पोरबंदर से लेकर दिल्ली एनसीआर होते हुए पानीपत तक देश को थार के रेगिस्तान की धूल से बचने की मंशा के साथ लाया गया है। लेकिन कतिपय ताकतें पर्यावरण के नाम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ माहौल बनाने लग गई हैं। हरियाली से विकास के बजाए हरियाली के साथ विकास की सरकार की मंशा और अदालत के फैसले पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। यह तो मौसम वैज्ञानिक भी मानते हैं कि यदि हिमालय और अरावली नहीं होता तो मध्यप्रदेश के आधे हिस्से से ऊपर देश का पूरा उत्तर पूर्वी हिस्सा रेगिस्तान होता। अरावली की पर्वत श्रंखलाएं चंबल, साबरमती और लूणी जैसी नदियों के लिए जल स्त्रोत का काम करती है। 1.8 अरब साल पुरानी यह पर्वतमाला कभी छह हजार फुट से दस हजार फुट तक ऊंची थी। लेकिन अब इसकी सबसे ऊंची चोटी माऊंट आबू में है जिसकी ऊंचाई 5 हजार 650 फुट है। कहा जाता है कि अरावती पर्वमतमाला राजस्थान के थार रेगिस्तान की रेत की धूल को उत्तर भारत के कई नगरों में फैलने से भी रोकती हैं। लेकिन सच तो यही है कि हरियाणा से लेकर दिल्ली एनसीआर तक बढ़ते प्रदूषण में जितना पंजाब की पराली का हाथ है उतना ही राजस्थान के थार की रेत से उठे धूल के गुबार का भी है। इसे ही सुधारने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में एक बड़ी पहल की। उन्होंने अफ्रीका में

फैले सहारा रेगिस्तान के आसपास लागू ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की तर्ज पर पानीपत से पोरबंदर तक सात सौ किलोमीटर लंबी अरावली पर्वत श्रंखला के बफर जोन में वृक्षारोपण के लिए पर्यावरणीय पहल की। इसे लागू भी कर दिया। यह एक बड़ा वृक्षारोपण अभियान है जिसका लक्ष्य गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 29 जिलों में अरावली पर्वत श्रृंखला के चारों ओर 14 सौ किमी लंबी तथा पांच किलोमीटर चौड़ी एक विशाल हरित पट्टी बनाना है। यह परियोजना खासतौर पर उन क्षेत्रों पर केंद्रित है, जहां जंगल तेजी से खत्म हो रहे हैं और रेगिस्तानी परिस्थितियां बनतीजा रही हैं। ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट का मकसद धूल और रेत के तूफानों पर लगाम लगाना, मिट्टी के कटाव को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन कायम करना है। यह भूजल रिचार्ज के साथ स्थानीय पारिस्थितिकी को भी मजबूत करेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रभावी निगरानी के साथ लागू किया गया, तो यह उत्तर भारत को प्रदूषण, सूखे और बढ़ती गर्मी जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है। लेकिन गुजरे कुछ सालों से ऐसी परंपरा बन गई है कि देश में सुधार की जब भी कोई पहल हो तो सरकार के खिलाफ कभी पर्यावरण तो कभी आदिवासी अस्मिता का सवाल खड़ा करने कुछ लोग आ जाते हैं । ऐसे लोग जिनके पीछे भारत विरोधी विदेशी ताकतें खड़ी रहती हैं। सरकार तो छोड़िए ये लोग सुप्रीम कोर्ट के 20 नवंबर के फैसले पर भी सवाल उठाने से बाज नहीं आ रहे हैं। उनका ऐतराज इस बात को लेकर है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने पर्यावरण मंत्रालय की ओर से तय की गई नई परिभाषा को क्यों स्वीकार किया? केंद्र सरकार की इस परिभाषा के अनुसार अब केवल वही पहाडियां अरावली मानी जाएंगी, जो अपने आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हों या फिर ऐसी दो या उससे ज्यादा पहाड़ियों का समूह हों, जो 500 मीटर के भीतर स्थित हो। फैसले के विरोधी इसे अरावली पर्वतमाला में खनन की साजिश बताते हुए मनगढ़ंत कहानी बयां कर रहे हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली क्षेत्र के भीतर नई खनन लीज देने पर रोक लगाने के साथ ही इस पर विशेषज्ञों की रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने टिकाऊ खनन और अवैध खनन रोकने के उपायों को भी मंजूरी दी है। साथ ही निर्देश दिया है कि वे उन क्षेत्रों की पहचान करें, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा या केवल विशेष परिस्थितियों में ही इसकी अनुमति दी जाएगी। सवाल है कि जब अफ्रीका में इस योजना को सराहा जा रहा है, तो भारत में बवाल क्यों? इसके पीछे लगी ताकतों का मकसद क्या है? (जारी)

न्यूज विंडो

अभिनेता दिलीप मामले में अपील करेगी केरल सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2017 में सामने आए बहुचर्चित अभिनेत्री उत्पीड़न मामले में एक बार फिर कानूनी हलचल तेज हो गई है। केरल सरकार ने इस केस में अभिनेता दिलीप को बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ अपील करने का फैसला किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार छह दोषियों को दी गई सजा को भी उच्च न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, यह अपील केरल हाईकोर्ट की क्रिसमस छुट्टियों के खत्म होते ही दाखिल की जाएगी।

टेक्सास में मेडिकल प्लेन क्रैश, मरीज समेत 5 की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। टेक्सास के गैल्वेस्टन के पास मैक्सिकन नेवी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक मेडिकल मरीज और 7 अन्य लोग सवार थे। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। मैक्सिकन नेवी ने बयान में कहा कि विमान में 4 नेवी अधिकारी और 4 नागरिक, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था, सवार थे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने किन लोगों की मौत की पुष्टि की है।

कार्ति की मुश्किलें बढ़ी कोर्ट ने तय किए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी वीजा स्कैम मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश के आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने इस मामले में भास्कर रमन को भी आरोपी बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी को होगी। आरोप तय किए जाने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया मुझे कई रास्ते देती है और मैं उन सभी रास्तों का इस्तेमाल करूंगा।

हाईवे पर कोहरे से वाहन टकराए, दो की मौत

अमेठी, एजेंसी। लखनऊ वाराणसी हाईवे पर मुसाफिरखाना नगर के मंगलम स्कूल के करीब कोहरे के चलते हुए हादसे में दो की मौत हो गई। वहीं करीब 10 घायल हुए हैं। घने कोहरे के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग अमेठी रोड ओबरब्रिज पर पर चार ट्रक, एक कार व हरदोई डिपो की जनरथ बस घने कोहरे की वजह से आपस मे टकरा गई।

आज का कार्टून

धार और बैतूल में मेडिकल कॉलेजों का भूमिपूजन, नड्डा ने की एमपी मॉडल की सराहना

प्रदेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी से चिकित्सा शिक्षा का विस्तार बन रहा है मिसाल : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में आज का दिन अहम सिद्ध हुआ। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार और बैतूल में पीपीपी मोड पर बनने वाले मेडिकल कॉलेजों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर श्री नड्डा ने प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उठाए जा रहे कदमों के लिए प्रदेश सरकार की सराहना की। साथ ही उन्होंने इस कार्य में केंद्र की ओर से पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के हर हिस्से को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने और मेडिकल शिक्षा का विस्तार करने के लिए हमारी सरकार संकल्पबद्ध है। धार और बैतूल जैसे आदिवासी अंचल में मेडिकल कॉलेज खुलने से यहां के लोगों को इंदौर और नागपुर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमने पीपीपी मॉडल अपना कर देश में पहली मिसाल कायम की है।

मेडिकल कॉलेज भूमिपूजन स्थल पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम मोहन यादव और जेपी नड्डा।

प्रदेश में अब 19 सरकारी मेडिकल कॉलेज, निजी 14

प्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे हैं, जो चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास है। प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेज की संख्या 14 से बढ़कर अब 19 हो गई है, तो निजी मेडिकल कॉलेज की संख्या 12 से बढ़कर अब 14 हो गई है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा इंदौर में ईएसआईसी चिकित्सा महाविद्यालय (50 सीटर) भी प्रारंभ किया गया है। 2028 तक राजगढ़, मंडला, छतरपुर, उज्जैन, दमोह , बुधनी में निर्माणाधीन गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज शुरू हो जायेंगे। इसके अलावा पीपीपी मोड पर तैयार किए जाने वाले सभी मेडिकल कॉलेजेस का निर्माण कार्य भी इसी अवधि के दौरान पूरा करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि निजी निवेशकों को अस्पताल के निर्माण के लिए एक रुपए में जमीन देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। पीपीपी मोड पर कटनी, धार, पन्ना और बैतूल जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है।

नड्डा और सीएम पहुंचे महाकाल की शरण में

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और सीएम डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। गर्भगृह में दोनों ने महाकाल का अभिषेक किया और पुजारी आकाश ने षोडशोपचार पूजन कराया। यह पूजन यश-कीर्ति के लिए किया जाता है। इसके बाद मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री, महाकाल मंदिर अन्न क्षेत्र पहुंचे यहां दोनों ने श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण की और खुद भी ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने सिंहस्थ में होने वाले कार्यों का भी निरीक्षण किया।

बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन

नईदिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठन शामिल हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश कर रही है। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी देखने को मिली है। परिषद के कार्यकर्ता जुटकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में 27 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

अफ्रीकी फुटबॉल कोच को दिल्ली पार्षद की धमकी

नईदिल्ली। दिल्ली के पटपड़गंज वार्ड से बीजेपी पार्षद रेनू चौधरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे एक अफ्रीकी फुटबॉल कोच को एक महीने के भीतर हिंदी सीखने की चेतावनी देती नजर आ रही हैं। पार्षद कहती हैं कि अगर हिंदी नहीं सीखी तो पार्क छीन लिया जाएगा। यह अफ्रीकी नागरिक करीब 15 साल से उसी इलाके में रहकर बच्चों को फुटबॉल कोचिंग देता है।

इटारसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को बम से उड़ाने की धमकी, एजेंसियों में हड़कंप

मंगेश यादव, नर्मदापुरम

आज सुबह इटारसी की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को बम से उड़ने की धमकी भरा मेल मिला। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता और पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। मेल मिलने के बाद से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री प्रबंधन और सुरक्षा एजेंसियो मे हड़कंप मच गया है। एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा और पथरोटा थाना प्रभारी संजीव पवार दल बल के साथ मौके पर हैं। फैक्ट्री में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा एजेंसिया परिस्थिति पर नजर रख रही हैं। नर्मदापुरम के एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को ई मेल पर धमकी मिली है। फिलहाल मेल की जांच जारी है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मेल किस स्त्रोत से भेजा गया और इसमें क्या संदेश था। बता दे कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री प्रबंधक को 17अप्रैल को भी इसी तरह का एक मेल आया था। उस वक्त भी पुलिस ने बम निरोधक दस्ते कि मदद से सर्चिंग की थी हालांकि इस मामले मे ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से सम्पर्क नहीं हो सका है।

कर्नाटक में संक्रांति के बाद बदलाव की चर्चा, खडगे ने कहा - व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं

शिवकुमार बोले - नेतृत्व का फैसला राहुल ही करेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक में सत्ता के लिए छिड़ा संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले नवंबर क्रांति की बात कही जा रही थी, लेकिन अब मकर संक्रांति के बाद बदलाव की चर्चाएं तेज हैं। इस बीच पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कह दिया कि कोई एक व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं है। अब इस पर सिद्धारमैया का भी बयान आया है। उनका कहना है कि नेतृत्व को लेकर तो कोई भी फैसला राहुल गांधी ही लेंगे। वही कोई फैसला लेने का अधिकार रखते हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की ओर से जो भी फैसला लिया जाएगा, उसे हम स्वीकार करेंगे। सिद्धारमैया ने कहा, 'मैं नेतृत्व परिवर्तन जैसी चीजों के बारे में कुछ नहीं जानता। राहुल गांधी और हाईकमान को ही फैसला लेना है। वह जो भी निर्णय लेंगे। हम उससे बंधे हुए हैं।' इसके अलावा उन्होंने बार-बार नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सवाल पूछे जाने पर भी ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, 'आखिर मसले पर इतने सवालों की क्या जररूत है? मैंने अपनी बात कह दी है, फिर इस पर चर्चा क्यों।' इससे पहले उन्होंने कहा था कि मैं सीएम बना रहूंगा और कांग्रेस हाई कमान मेरे पक्ष में है। उन्होंने कहा ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है, जिसमें यह कहा जाए कि मेरा कार्यकाल कम हो जाएगा।

मेट्रो एंकर

विदेशी अंशदान के लिए ट्रस्ट का आवेदन खारिज करने का केंद्र सरकार का आदेश रद्द

गीता कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि एक नैतिक विज्ञान है : हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी

मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि भगवद् गीता को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA) के इस्तेमाल के लिए धार्मिक ग्रंथ नहीं माना जा सकता है। ऐसे में गीता और योग की शिक्षा देने में शामिल होने के आधार पर किसी ट्रस्ट को विदेशी अंशदान सम्बन्धी रजिस्ट्रेशन से वंचित नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने इसी अधिनियम का हवाला देते हुए अर्शा विद्या परंपरा नामक ट्रस्ट को एफसीआरए पंजीकरण देने से इनकार कर दिया था। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन की कोर्ट ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्णय को अपर्याप्त तर्क और प्रक्रियात्मक खामियों पर आधारित पाते हुए रद्द कर दिया। उल्लेखनीय है कि इन्हीं जस्टिस ने मदुरै के एक मंदिर के पास स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी पर स्थित परंपरागत दीपस्तंभ पर

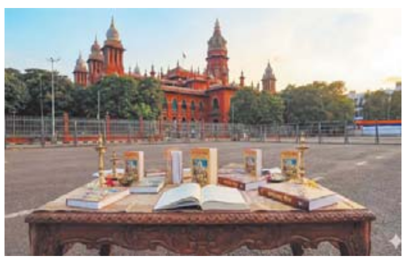

दीपक जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने उनके खुलाफ महाभियोग का नोटिस दिया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, अर्शा विद्या परंपरा ट्रस्ट बनाम भारत संघ और अन्य मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय को वेदांत शिक्षाओं पर केंद्रित धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। ट्रस्ट ने 2021 में एफसीआरए पंजीकरण के लिए आवेदन किया था, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद ट्रस्ट ने इस निर्णय को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। मंत्रालय द्वारा आवेदन खारिज करने का एक प्रमुख कारण यह बताया गया कि ट्रस्ट 'धार्मिक' प्रतीत होता है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने कहा-भगवद् गीता कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं है। बल्कि यह एक नैतिक विज्ञान है...इसलिए भगवद् गीता को किसी एक धर्म तक सीमित नहीं किया जा सकता। यह भारतीय सभ्यता का एक अभिन्न अंग है। मंत्रालय ने तर्क दिया था कि भगवद गीता, उपनिषद, वेदांत और संस्कृत के शिक्षण पर केंद्रित होने के कारण ट्रस्ट एक धार्मिक संगठन है। अदालत ने पाया कि यह तर्क एफसीआरए की धारा 11 की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।

मंत्रालय को समझाया योग-वेदांत

अदालत ने मंत्रालय के इस विचार को भी खारिज कर दिया कि वेदांत, संस्कृत और योग का शिक्षण ट्रस्ट को एक धार्मिक संस्था बनाता है। इसमें कहा गया है कि वेदांत एक दार्शनिक प्रणाली है और योग कल्याण के लिए एक सार्वभौमिक अभ्यास है और केवल इस तरह की शिक्षाएं प्रदान करने से कोई संगठन धार्मिक नहीं बन जाता है। न्यायालय ने माना कि ट्रस्ट को जवाब देने का अवसर दिए बिना अंतिम चरण में एक नया आरोप लगाना प्राकृतिक न्याय के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन है। न्यायालय ने गृह मंत्रालय के एफसीआरए विंग को ट्रस्ट के आवेदन पर पुनर्विचार करने और यदि उनके पास किसी निधि हस्तांतरण का ठोस सबूत है, तो एक नया और विस्तृत नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। मंत्रालय को आदेश प्राप्त होने के तीन महीने के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कहा गया है।

अयोध्या बायपास रोड पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई

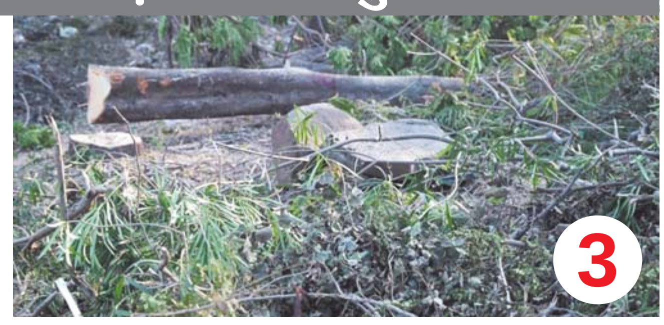

भोपाल के अयोध्या बायपास रोड पर सड़क निर्माण के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे जा रहे हैं।

1.16 वोटर्स का नहीं मिला रिकॉर्ड, वोटर लिस्ट से 4.38 लाख नाम कटे, अब दावे-आपत्ति का दौर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के कुल 1 लाख 16 लाख वोटर्स का 2003 की वोटर लिस्ट के हिसाब से रिकॉर्ड नहीं मिला है। ऐसे वोटर्स को आज से नोटिस देने की कार्रवाई शुरू होगी। वहीं, दावे-आपत्ति का दौर शुरू हो जाएगा, जो अगले 1 महीने तक चलेगा। इस दौरान नए नाम जुड़ेंगे-हटेंगे तो संशोधन करने की कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से 4 लाख 38 हजार नाम हटा दिए गए हैं। जिन वोटर्स को 'नो मैपिंग' के दायरे में शामिल किया गया, वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे के दौरान 2003 की वोटर्स लिस्ट के अनुसार डेटा नहीं दे सके। अब उनसे अगले 50 दिन के अंदर रिकॉर्ड मांगा जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि 23 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इसके बाद 22 जनवरी तक बूथ लेवल ऑफिसर यानी, बीएलओ अपने-अपने बूथ पर बैठेंगे। इस दौरान वे नए फॉर्म 6, 7 और 8 प्राप्त करेंगे। एसआरआर में जिन

मतदाताओं को नो मैपिंग में रखा गया कि उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। 50 दिन के अंदर उन्हें अपना रिकॉर्ड प्रस्तुत करना होगा।

7 विधानसभा- चारों कैटेगिरी में गोविंदपुरा आगे, बैरसिया में सबसे कम

नरेला विधानसभा में 6138 ऐसे वोटर मिले, जो मृत हो चुके हैं। 65 हजार 356 अन्य जगह शिफ्ट हो चुके हैं। 6098 अबसेंट तो 528 के नाम पहले से वोटर लिस्ट में जुड़े हुए मिले। यहां से कुल 81 हजार 235 वोटर्स के नाम हटाए गए हैं। गोविंदपुरा विधानसभा में शिफ्टिंग वाले मतदाताओं की संख्या 61 हजार 282 है। 25 हजार 590 गायब मिले, जबकि 6311 मृत मतदाता पाए गए हैं। 777 मतदाताओं के नाम पहले से वोटर लिस्ट में जुड़े मिले हैं। यहां से कुल 97 हजार 52 मतदाता के नाम हटे हैं। बैरसिया विधानसभा में चारों कैटेगिरी में सबसे कम आंकड़ा है। यहां मृत 2518, अबसेंट 1779, परमानेंट शिफ्ट 7816 और 718 के नाम पहले से वोटर लिस्ट में जुड़े हुए मिले। बैरसिया में सबसे कम 12 हजार 903 मतदाताओं के नाम काटे गए। हुजूर विधानसभा में भी शिफ्टिंग वाले मतदाताओं का आंकड़ा ज्यादा है। यहां 25 हजार 202 मतदाता गायब मिले। 32 हजार 78 मतदाता अन्य जगह शिफ्ट हो गए। 5667 मतदाता मृत हो चुके हैं तो 2302 के नाम पहले से वोटर लिस्ट में हैं। भोपाल मध्य में चारों कैटेगरी में 67 हजार 304 मतदाता मिले हैं। दक्षिण-पश्चिम में यह आंकड़ा 63 हजार 433 हैं। भोपाल उत्तर में चारों कैटेगरी में 51 हजार 058 मतदाता पाए गए हैं। जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

आदि शंकराचार्य गुरुकुलम में शुरू होगी गायों पर रिसर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि मप्र के राजगढ़ व नरसिंहपुर में जल्द शुरू होने वाले आदि शंकराचार्य गुरुकुलम में गायों पर रिसर्च की जाएगी। साथ ही इन संस्थानों में संस्कृत, वैदिक और योग की शिक्षा भी दी जाएगी। मंत्री ने दावा किया कि प्राइमरी स्तर पर ड्रापआउट रेट अब शून्य तक पहुंच चुकी है। राजधानी में सोमवार को मंत्री सिंह ने विभाग का रिपोर्ट कार्ड सामने रखा। उन्होंने कहा कि गाय को आदिकाल से पूज्यनीय माना जाता रहा है। कई देश अब इस पर रिसर्च भी करने लगे हैं। हम अगली पीढ़ी को बताना चाहते हैं कि गाय का क्या महत्व है, गाय पालने के क्या साइंटिफिक फायदे हैं। इसलिए हम रिसर्च को बढ़ावा देना चाहते हैं। हम पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर रिसर्च को शुरू करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 3 सालों में सभी कक्षाओं में ड्रॉपआउट दर में कमी आई है। वर्ष 2024-25 में प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट 2 दर 6.8 फीसदी से घटकर शून्य हो गई है। 10वीं व 12वीं के रिजल्ट 10 से 12 फीसदी तक सुधरे हैं। 2026-27 तक हर स्कूल में स्मार्ट क्लास व आईसीटी लैब का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि प्रस्ताव पर काम हो रहा है, जिसमें स्कूल शिक्षा से जुड़े सभी दफ्तर एक छत के नीचे लाए जाएंगे। सरकार से अनुमति मिली तो ये 22 मंजिला भवन होगा, जो मप्र की सबसे ऊंची बिल्डिंग होगी।

बुक फेयर... निजी स्कूल के बच्चे ले पाएंगे किताबें

स्कूल शिक्षा विभाग इस सत्र से नवाचार करेगा। जो निजी स्कूल मप्र बोर्ड से सम्बद्ध हैं, उनके लिए पाठ्य पुस्तक निगम की किताबों के बुक फेयर लगेंगे। इसमें निजी स्कूल में बच्चों को पढ़ा रहे पालक सस्ती दरों पर किताबें खरीद सकेंगे। साथ ही नई शिक्षा नीति के तहत अब हिंदी, क्षेत्रीय भाषा के साथ स्थानीय बोलियों में किताबें छपेंगी।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में पहली बार पारंपरिक पिट्ठू व रस्साकशी खेल

10 जनवरी से होगी खेलों की शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खेलो एमपी यूथ गेम्स नए साल में 10 से जनवरी से खेले जाएंगे। इन खेलों में पहली बार पारंपरिक खेल पिट्ठू-रस्साकशी और क्रिकेट को शामिल किया गया है।

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि देश में पहली बार खेल विभाग के साथ सभी मान्यता प्राप्त खेल संघ मिलकर समन्वित रूप से प्रतियोगिताओं का संचालन करेंगे। इन खेलों का आयोजन 10 से 31 जनवरी तक किया जाएगा। सारंग ने इस आयोजन को मध्यप्रदेश का ओलिम्पिक करार दिया और कहा कि इस बार क्रिकेट, पिट्ठू और रस्साकशी सहित कुल 27 खेलों के लिए खेल विभाग और संघ मिलकर टीम चयन करेंगे। इन खेलों में करीब एक लाख खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, शिवपुरी, ग्वालियर, सागर एवं नर्मदापुरम में होगा। खेल मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस महाकुंभ की औपचारिक शुरुआत करेंगे, जबकि समापन समारोह भोपाल में होगा। इस प्रतियोगिता की चयन प्रक्रिया ब्लॉक स्तर से प्रारंभ होगी, जिसमें ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 10 से 15 जनवरी, जिला स्तरीय 16 से 20 जनवरी, संभाग स्तरीय 21 से 25 जनवरी व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 28 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भविष्य में राज्य टीम के चयन में प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

मध्यप्रदेश में कौशल और रोजगार से गढ़ी जा रही आत्मनिर्भरता की नई इबारत : मंत्री गौतम टेटवाल

आईटीआई में रिकॉर्ड प्रवेश व युवाओं का हुआ वैश्विक प्लेसमेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में पत्रकारवार्ता में विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियां साझा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में कौशल और रोजगार से आत्मनिर्भरता की नई इबारत गढ़ी जा रही है। कौशल और रोजगार के क्षेत्र में ठोस, परिणाममुखी और राष्ट्र स्तर पर प्रशंसित उपलब्धियाँ हासिल की हैं। सत्र 2025 में प्रदेश के आईटीआई में एक लाख से अधिक प्रशिक्षणार्थी परीक्षाओं में सम्मिलित हुए और विभिन्न ट्रेडों में दस प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो अब तक की

सर्वाधिक संख्या है। विगत दो वर्षों में शासकीय संभागीय आईटीआई, भोपाल के तीन प्रशिक्षण अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना तथा शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई, बैतूल की प्रशिक्षणार्थी त्रिशा तावड़े को 4 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि विश्व कौशल प्रतियोगिता 2024 में प्रदेश के प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 1 गोल्ड, 2 सिल्वर, 4 कांस्य और 11 मेडेलियन ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किए तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फ्रांस में एक मेडेलियन ऑफ एक्सीलेंस अर्जित किया गया, जो प्रशिक्षण की गुणवत्ता का प्रमाण है। वर्ष 2025 में शासकीय आईटीआई के प्रवेश में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। कुल सीटें बढ़ाकर 52,248 की गई और 94.55% सीटें भरी, जो वर्ष 2024 के 86.33% की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्शाती है। महिला आरक्षण बढ़ा कर 35% करने तथा समावेशी प्रवेश नीतियों के कारण महिला प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बढ़कर 12,191 हुई, जबकि वर्ष 2024 में यह 9,655 थी। मंत्री टेटवाल ने बताया इस वर्ष 490 दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों और बाल देखरेख संस्थाओं के 16 बच्चों ने आईटीआई में प्रवेश लिया। आठवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए ट्रेडों की संख्या 5 से बढ़ाकर 10 की गई तथा इन ट्रेडों में 8,041 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।

यूजीसी नेट : दिसंबर में हुई परीक्षा की सिटी स्लिप जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी सूचना के अनुसार यूजीसी नेट दिसंबर 2025 की परीक्षा 31 दिसंबर 2025 और 2, 3, 5, 6 और 7 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाली है। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। एजेंसी ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे समय समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें, जिससे किसी भी नई सूचना से वंचित न रहें। यूजीसी नेट दिसंबर परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शहर सूचना पर्ची जारी कर दी गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यह सिटी इंटिमेशन स्लिप अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई है। उम्मीदवार वेबसाइट पर जाकर तुरंत अपने परीक्षा शहर की जानकारी देख और डाउनलोड कर सकते हैं। यह सिटी स्लिप केवल परीक्षा शहर की जानकारी देती है। इसे प्रवेश पत्र के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है जबकि परीक्षा का एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि से चार दिन पहले जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी इसे भी ऑनलाइन माध्यम से ही डाउनलोड कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर

भारत भवन में दो दिवसीय पं. नंदकिशोर शर्मा स्मृति संगीत समारोह का शुभारंभ

सुरों के आलोक में सुरभित संध्या, राग-ताल की आत्मिक यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारत भवन के सहयोग से दो दिवसीय पंडित नंदकिशोर शर्मा स्मृति संगीत समारोह का शुभारंभ अंतरंग, भारत भवन में हुआ। इस अवसर पर उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर, उप निदेशक शेखर कराड़कर, गौरीशंकर शर्मा एवं अनूप शर्मा सहित कलाकार एवं बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी उपस्थित रहे।

संगीत सभा का आरम्भ अनुश्रुति वृन्द, भोपाल के कलाकारों द्वारा भावपूर्ण सुमिरन-वंदन से हुआ। इस आध्यात्मिक प्रस्तुति में सर्वप्रथम पंडित नन्दकिशोर शर्मा द्वारा रचित मां शारदे वर दे हमें तेरे

चरण का प्यार दे के माध्यम से सरस्वती वंदना की गई। इसके पश्चात गुरुदेव शत्शत् करते चरण वंदन रचना द्वारा गुरु के प्रति असीम श्रद्धा और सम्मान को सुरों में पिरोया गया। अनुश्रुति वृन्द की अंतिम प्रस्तुति आज स्वर के दीप लघुदान मेरे देवता लो रही, जिसने वातावरण को भक्तिरस से आप्लावित कर दिया। इस संपूर्ण प्रस्तुति का निर्देशन श्री अनूप शर्मा ने किया, जबकि तबले पर श्री शशांक मिश्रा ने सधी हुई संगत प्रदान की। अगली प्रस्तुति गुणी गायक श्री साईं ऐश्वर्य महाशब्दे, भोपाल की रही। उन्होंने अपने गायन का शुभारंभ राग वागेश्री में विलंबित एकताल की बंदिश 'कौन गत भई' से किया। इसके उपरांत द्रुत तीनताल की बंदिश 'पिहरवा घर आयेंगे' प्रस्तुत कर राग का सजीव विस्तार किया। माधुर्य से परिपूर्ण उनकी आवाज ने श्रोताओं के मन में आनंद के भाव घोल दिए। अंतिम प्रस्तुति में उन्होंने दादरा 'तुम सांची कहो रैन जागे' प्रस्तुत कर सभा को रससिक्त कर दिया। उनके साथ तबले पर अशेष उपाध्याय और हारमोनियम पर जितेन्द्र शर्मा ने संवेदनशील संगत निभाई। इसके पश्चात दिल्ली से पधारी ग्वालियर घराने की सुविख्यात गायिका सुश्री शाश्वती मंडल मंच पर उपस्थित हुईं। उन्होंने राग मालगुंजी में विलंबित तिलवाड़ा ताल की बंदिश 'वन में चरावत गैयाँ' से अपने गायन की शुरुआत की।

स्नातक विद्यार्थियों का शोध कौशल बढ़ाने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गवर्नमेंट हमीदिया कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग ने न्यू एजुकेशन प्रोग्राम पाठ्यक्रम के तहत सभी विषयों के स्नातक छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य छात्रों की शोध कौशल, विश्लेषणात्मक सोच और अनुभवात्मक शिक्षा की समझ को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम पीएमसीओई गवर्नमेंट हमीदिया कॉलेज के वर्चुअल क्लासरूम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिल शिवानी, प्राचार्य गवर्नमेंट हमीदिया कॉलेज ने की। डॉ. शिवानी ने छात्रों से आग्रह किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अधिक निर्भर न रहें और एनईपी 2020 के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सोच क्षमता को विकसित करें। कार्यक्रम का सह-

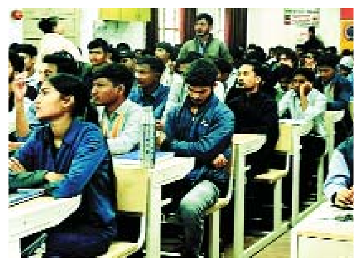

अध्यक्षता डॉ. सोना शुक्ला, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान ने की, जिन्होंने विभाग के नवाचारी शिक्षण-अधिगम अभ्यासों और शोध-उन्मुख गतिविधियों के माध्यम से एनईपी को लागू करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्नातक छात्रों ने भाग लिया और शिक्षकों में डॉ. वर्षा सगोरकर, डॉ. माधवी लता दुबे, डॉ. सोनल खरे और पुष्पेंद्र त्रिपाठी सहित उनके संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में
अग्रणी मध्यप्रदेश
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
NURSING HOSTEL
HOSPITAL BLOCK B
GIRLS HOSTEL
BOYS HOSTEL
HOSPITAL BLOCK A
STAFF QUATERS
ACADEMIC BLOCK
'जन-निजी भागीदारी आधारित'
धार और बैतूल
चिकित्सा महाविद्यालयों का शिलान्यास
विकास कार्यों का भूमिपूजन
और लोकार्पण
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
मुख्य अतिथि
जे. पी. नड्डा
केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
23 दिसम्बर, 2025
पूर्वाह्न 11:00 बजे । पीजी कॉलेज ग्राउंड, जिला धार
अपराह्न 2:00 बजे । पुलिस ग्राउंड, जिला बैतूल
पिछले 2 वर्ष में तेजी से
बेहतर हुईं स्वास्थ्य सेवाएं
सुदृढ़ होती चिकित्सा शिक्षा
• शासकीय मेडिकल कॉलेज 14 से 19, निजी 12 से बढ़कर 14 हुए
• शासकीय एमबीबीएस सीटें 2275 से 2850 एवं शासकीय पीजी सीटें 1262 से 1468 हुईं
• शासकीय सुपर-स्पेशलिटी सीटें 47 से 64 हुईं
अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण
• मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा में तीन नए जिला चिकित्सालयों का निर्माण
• इंदौर, रीवा, सतना के चिकित्सा महाविद्यालयों का उन्नयन
उन्नत चिकित्सा सेवाएं
• भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर में सीटी/एमआरआई मशीनें
• इंदौर, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर में मेडिकल लीनियर एक्सीलरेटर मशीनें
• भोपाल, रीवा में कैथ लैब
• इंदौर, जबलपुर में बोन मैरो ट्रांसप्लांट
• इंदौर में कार-टी सेल थैरेपी
जनहितकारी सेवाएं
• पीएमश्री एयर एम्बुलेंस, 109 मरीज एयरलिफ्ट
• 1268 दूरस्थ ग्रामों में 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट
• सीएम डे-केयर सेंटर
विकास और सेवा के
2 वर्ष
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11170/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

भारत की न्यूजीलैंड से डील, अमेरिका को बड़ा झटका

अमेरिकी नीतियों की वजह से दबाव का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता राहत की खबर है। हाल में कई दूसरे देशों के साथ भी सहमति बनी है। ये समझौते अमेरिकी टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में तो मदद करेंगे ही, इनसे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भी नई दिल्ली का पक्ष भारी रहेगा।

व्यापार बढ़ेगा : न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की इस साल मार्च में भारत यात्रा के दौरान ट्रेड डील पर बात शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की औपचारिक शुरुआत भारत की आजादी के कुछ साल बाद ही हो गई थी, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार अब भी बेहद कम है। 2023 में यह 1.75 अरब डॉलर था और पिछले साल 2.07 अरब डॉलर। ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, सर्विसेज, गुड्स, इन्वेस्टमेंट में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

किसानों को फायदा: न्यूजीलैंड खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से उसकी उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। महत्वपूर्ण है कि डेयरी सेक्टर में कोई छूट नहीं दी गई है और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में समझौता संभव नहीं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जिन वजहों से देर हो रही है, उनमें कृषि और डेयरी सेक्टर शामिल हैं।

ओमान के साथ समझौता : हाल में भारत की तरफ से व्यापारिक समझौतों में तेजी आई है। पिछले हफ्ते ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA) हुआ था। दोनों देश इसे तीन महीने के भीतर लागू करना चाहते हैं। इसके बाद ओमान को भारत का 99% से ज्यादा निर्यात टैरिफ फ्री हो जाएगा। इसी तरह, दिसंबर की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की यात्रा के दौरान मॉस्को और नई दिल्ली ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

दूसरों के साथ बात बढ़े : भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट पर अब भी बातचीत जारी है। पीयूष गोयल ने वार्ता को अडवांस्ड स्टेज में बताया है। दोनों देश इसे जल्द अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे निर्यात क्षेत्र के साथ भारतीय शेयर बाजार को भी राहत मिलेगी। आशा है कि यूरोपीय यूनियन, इस्राइल, कनाडा के साथ भी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बात तेजी से आगे बढ़ेगी। इनसे भारतीय निर्यात में विविधता आएगी और विदेशी बाजारों में हमारे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बेहतर होगी।

जयंती पर विशेष

किसानों के सम्मान की रक्षा और हक की लड़ाई के प्रतीक हैं चौधरी चरण सिंह

डॉ श्रीगोपाल नारसन
स्तंभकार

आज हम किसान नेता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्मदिन मना रहे है। आज चौधरी चरण सिंह जीवित होते तो शायद किसानों की हालत आज से बेहतर होती। किसानों को उनका हक मिल गया होता और किसान के सम्मान की रक्षा हो गई होती। चौधरी चरण सिंह एक सादगी संपन्न नेता थे, वह एंबेसडर कार में चला करते थे। वह जहाज़ पर उड़ने के खिलाफ थे और प्रधानमंत्री होने के बावजूद लखनऊ रेल से जाया करते थे। अगर घर में कोई अनावश्यक बल्ब जला हुआ है तो वह डांटते थे कि इसे तुरंत बंद करो। वास्तव में चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने देश से न्यूनतम लिया और देश को अधिकतम दिया। चौधरी चरण सिंह का जन्म सन1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में एक मध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने सन1923 में बीएससी की और आगरा विश्वविद्यालय से सन 1925 में एमएससी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद एलएलबी की और गाजियाबाद से वकालत पेशे की शुरुआत की। बाद में वे मेरठ आ गये और कांग्रेस में शामिल होकर अपने राजनीतिक सफर को शुरू किया।

चौधरी चरण सिंह सन 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए पहली बार चुने गए। इसके बाद सन 1946, सन 1952, सन1962 एवं सन1967 में उन्होंने विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे सन1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून सन1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और न्याय तथा सूचना विभाग का प्रभार दिया गया। बाद में सन 1952 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल सन1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। मुख्यमंत्री सी.बी. गुप्ता के शासनकाल में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। श्रीमती सुचेता कृपलानी की सरकार में वे कृषि एवं वन मंत्री रहे। उन्होंने सन1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं सन1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया।कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी सन1970 में वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि बाद में राज्य में 2 अक्टूबर सन1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

श्री चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की राजनीतिक सेवा की। उनकी ख्याति एक कड़क नेता के रूप में हो गई थी । प्रशासन में अक्षमता, भाई - भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को वे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे।

उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय चौधरी चरण सिंह को जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम खेती की जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ,ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके।

देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की । एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चौधरी चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला।

कोर्टपीस खेलने के शौकीनः चौधरी चरण सिंह से लोगों का रिश्ता दो तरह का हो सकता था - या तो आप उनसे नफ़रत कर सकते थे या असीम प्यार।बदले में आपको भी या तो बेहद ग़ुस्सा मिलता था या अगाध स्नेह। उनका व्यवहार कांच की तरह पारदर्शी और ठेठ देहाती बुज़ुर्गों जैसा हुआ करता था। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि वह संत कबीर के बड़े अनुयायी थे।कबीर के कितने ही दोहे उन्हें याद थे।वह धोती और कुर्ता पहनते थे और एचएमटी घड़ी बाँधते थे, वह सौ फ़ीसदी शाकाहारी थे।तंबाकू और सिगरेट का तो सवाल ही नहीं था। स्व. चौधरी चरण सिंह ने आगरा कॉलेज आगरा से एलएलबी किया था। वे आगरा कॉलेज के सप्रू हॉस्टल के रूम नंबर 27 में रहते थे। चौधरी चरण सिंह का रसोईया वाल्मीकि समाज से था। उनके साथ शिक्षारत विद्यार्थियों ने इस बात का विरोध किया, लेकिन चौधरी चरण सिंह उस रसोइये के समर्थन में रहे, उन्होंने कहा कोई उंचा नीचा नहीं होता । चौधरी चरण सिंह की इस सोच ने सबका दिल जीत लिया। वेआगरा के फतेहपुरसीकरी विधानसभा और किरावली ब्लॉक के गांव सरसा में मुख्यमंत्री बनने के बाद आये थे। गांव में आने का उद्देश्य महज औचक निरीक्षण करना था। चौधरी चरण सिंह के साथ जिलाधिकारी भी थे। जब गांव में चौधरी चरण सिंह और जिलाधिकारी एक स्थान पर कुर्सी पर बैठे, तो वहां कुछ बुजुर्ग किसान उन्हें खड़े हुये दिखाई दिए । इस पर चौधरी चरण सिंह ने जिलाधिकारी को किसान के लिए कुर्सी छोडने को कहा। उन्होंने कहा कि इन किसानों को कुर्सी दो, क्योंकि अधिकारी जनता का सेवक होता है, मालिक नही।किसान नेता चौधरी चरण सिंह ने हमेशा किसानों के सम्मान की रक्षा की और किसानों के हक की लड़ाई जीवन पर्यंत लड़ते रहे।उनकी जयंती पर आज उन्हें शत शत नमन।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

वर्तमान दौर में विश्व शांति के लिए भारतीय संस्कृति का उत्थान आवश्यक

प्रहलाद सबनानी
स्तंभकार

कहा जाता है कि सतयुग में समाज पूर्णतः एकरस था और उस समय के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्टतः दिखाई देती थी। एक कहानी के माध्यम से इस बात को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। सतयुग के खंडकाल में एक किसान ने अपनी जमीन बेची। जिस व्यक्ति ने वह जमीन खरीदी थी, उसे, उस जमीन की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा हुआ एक घड़ा मिला। उस घड़े को लेकर वह किसान जमीन के विक्रेता के पास पहुंचा और बोला कि आपकी जमीन में से यह सोने के सिक्कों से भरा हुआ घड़ा मिला है, चूंकि मैंने आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इन सोने के सिक्कों पर मेरा अधिकार नहीं है और आप यह घड़ा अपने पास रख लें, सोने के इन सिक्कों पर आपका अधिकार है। जमीन के विक्रेता ने सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेने से यह कहकर साफ इनकार कर दिया कि मैंने तो वह जमीन आपको बेच दी है, अतः बाद में उस जमीन से जो भी वस्तु आप प्राप्त करते हैं उस पर आपका ही अधिकार हैं। उस वस्तु पर मेरा अधिकार कैसे हो सकता है? जब उस जमीन के क्रेता एवं विक्रेता के बीच कोई समझौता नहीं हो सका तो वे सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेकर अपने राज्य के राजा के पास पहुंचे और दोनों ने राजा को पूरी बात बताई तथा राजा से आग्रह किया कि सोने के सिक्कों को राजा साहब राज्य के खजाने में जमा करा दें। राजा ने भी सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि राज्य के नियमों में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि बगैर किसी उचित कारण के प्राप्त धन को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। इस सम्बंध में जो नियम निर्धारित हैं उन नियमों के आधार पर यह सोने के सिक्के राज्य के खजाने में जमा नहीं किये जा सकते हैं। ऐसा था, सतयुग का खंडकाल। जो वस्तु हमारी नहीं है उस वस्तु को हम कैसे अपने पास रख सकते हैं? प्रत्येक नागरिक इस भावना के साथ समाज में एकरस भाव से रहता था।

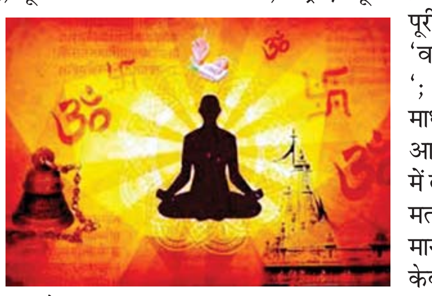

सतयुग के बाद आया त्रेतायुग, इस युग में समाज में समरसता के भाव में कुछ कमी दिखाई दी थी। जैसे एक समाज (दानव) के राजा रावण ने दूसरे समाज (देव) की माता सीता का अपहरण किया और अपने राज्य में कैद कर लिया। प्रभु श्रीराम ने आदिवासियों और वानरों के समूह को एक कर, इन सभी में समरसता का भाव जागृत करते हुए, रावण के राज्य पर आक्रमण किया एवं माता सीता को उस राज्य के चंगुल से छुड़ाकर सकुशल अयोध्या लाने में सफल हुए। प्रभु श्रीराम ने त्रेतायुग में यह संदेश दिया कि सर्व समाज यदि संगठित रहता है तो किसी भी बुराई से पार पाया जा सकता है। अतः त्रेतायुग में संगठन की महत्ता सिद्ध हुई थी। त्रेतायुग के बाद द्वापर युग आया, इस खंडकाल में तो समाज क्या, बल्कि दो परिवारों के बीच की एकता भी समाप्त हो चुकी थी। कौरव परिवार ने अपने ही पांडव भाईयों को केवल 5 गांव देने से साफ इंकार कर दिया। जिसके कारण आगे चलकर कौरव एवं पांडवों की बीच महाभारत युद्ध हुआ। आज के खंडकाल कलयुग की तो बात ही निराली है। आज पश्चिमी जगत में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने सुख के लिए ही कार्य करता हुआ दिखाई देता है। परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति जैसे उसकी कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। आज कलयुग में नागरिक अपने आप में केंद्रित हो गए हैं एवं उन्हें परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के प्रति किसी जिम्मेदारी का भाव जागृत ही नहीं होता। भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को 'वसुधैव कुटुंबकम '; 'सर्वे भवंतु सुखिनः '; 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं। ऐसे गम्भीर समय में केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही इस पूरे विश्व में शांति का माहौल पुनः स्थापित कर सकती है। विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में सेवा कार्य में संलग्न आदरणीय दीदी निवेदिता रघुनाथ भिड़े ने 'भारतीय संस्कृति - चुनौतियां एवं सम्भावनाएं' नामक पुस्तक में भारतीय संस्कृति के बारे में जीवन दर्शन की व्याख्या करते हुए बताया है कि 'जिस ज्ञान के द्वारा साधक विभक्त प्राणियों में विभाग रहित एक अविनाशी भाव को देखता है, उस ज्ञान को सात्विक ज्ञान कहा गया है। भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन या जीवन दृष्टि सात्विक ज्ञान से निर्धारित हुई है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं। मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास किया गया था। इस खंडकाल में भारतीय नागरिक अपनी महान परम्पराएं भूल गए थे। इसी खंडकाल में वैश्विक स्तर पर ग्रीक, रोमन, फारसी, मिस्त्र जैसी कई संस्कृतियां विलुप्त हो गई परंतु भारतीय संस्कृति अभी भी कायम है और मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सका है। इन्हीं कारणों के चलते अब यह कहा जा रहा है कि समस्त विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का उत्थान अति आवश्यक है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

'सपने हमारे भीतर की शक्ति को उजागर करते हैं, उन्हें पूरा करने का साहस खुद में ही खोजना पड़ता है।'

-अज्ञात

हेल्थ टिप्स

देसी नुस्खे से भी मिल सकती है पैरों के सुन्न पड़ने, दर्द और सूजन से राहत

पैरों में दर्द, सूजन, तलवों में जलन, झनझनाहट, सुन्न पड़ना, ये बहुत ही आम समस्याएं हैं, जिनसे काफी लोग पीड़ित हैं। लेकिन जब ये दिक्कतें रोजाना रहने लगती हैं तो आपकी जिंदगी को बहुत ज्यादा प्रभावित करती हैं। इनके पीछे आपके पैरों की नसों में ब्लॉकेज या खराब ब्लड सर्कुलेशन वजह हो सकती है। डॉक्टर सलीम जैदी ने एक यूट्यूब वीडियो में बताया कि उन्होंने अपने 20 साल के कॅरियर में यह समस्या बहुत लोगों को देखी है। इसके लिए एक नुस्खा है जिससे पूरे शरीर की बंद नसें खुल जाएंगी, ब्लड सर्कुलेशन सुधरेगा, पैरों की थकान, सूजन और अकड़न में कमी आएगी। डॉक्टर जैदी ने बताया कि आयुर्वेद पैरों को शरीर का वात सेंटर मानता है। ठंडी हवा, तनाव और सर्कुलेशन कमजोर होने से वात दोष बढ़ जाता है। जिस वजह से वात डिसऑर्डर्स के लक्षण जैसे पैरों का सुन्न पड़ना, पैरों की ठंड में अकड़न और पैरों की जलन हो सकती है। यह उपाय जमे हुए वात दोष को कम करके असर दिखाता है।

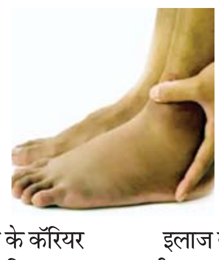

इलाज के लिए इस नुस्खे में 3 से 4 लीटर गर्म पानी,1-2 टुकड़े भीमसेनी कपूर और आधा नींबू लेना है। पानी को बर्दाश्त करने लायक गर्म करें। ज्यादा तेज गर्म या बहुत ही हल्का भी ना हो कि कुछ महसूस ना हो। बस इतना गर्म करें कि इसे झेल पाएं और सिकाई महसूस हो। गर्म पानी को एक छोटे से टब में डालिए। इसमें कपूर को पीसकर अच्छे से घोल लीजिए। फिर आधा नींबू का रस भी निचोड़कर मिला लीजिए। इस पानी में दोनों पैर डालकर आराम से 15 मिनट बैठ जाइए।? डॉक्टर ने फायदा बताते हुए कहा कि इससे पैरों में खून का दौरा बढ़ने लगेगा। नसें रिलैक्स होंगी और दर्द, अकड़न, झनझनाहट, पैरों में जलन-सूजन जैसी सभी दिक्कतों में तुरंत आराम मिलने लगेगा। इससे आपका दिमाग भी शांत होगा और रात को नींद भी आएगी। पैरों की बदबू दूर होगी, इंफेक्शन का रिस्क कम हो जाएगा, फटी एड़ियां भी नरम और मुलायम बन जाएंगी। इस थेरेपी को रोजाना रात को सोने से कुछ देर पहले ट्राई करें। इस थेरेपी को रोजाना 7 से 10 दिन तक करें। इस दौरान आपकी समस्या काफी कम हो जाएगी। इसके बाद भी इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को एक दिन छोड़कर हफ्ते में 3 बार ही करें।

डॉक्टर का कहना है कि आपको सायटिका गंभीर डिस्क बल्ज या नर्व कंप्रेशन की वजह से है और डॉक्टर ने ऑपरेशन बोला है तो ऐसे में समस्या की जड़ खत्म तो नहीं होगी या बस थोड़ा आराम मिल सकता है। अगर घुटने के दर्द की वजह ऑस्टियोअर्थराइटिस, रूमेटॉयड अर्थराइटिस, मिनिस्कस टीअर या लिगामेंट इंजरी है तो यह इनका इलाज नहीं है।

निशाना

सदा तीर निशाने पर..!

घनश्याम मैथिल ' अमृत '

साथ में कम सामान रखिये
अपना सफर आसान रखिये,
सदा तीर निशाने पर ही लगे
हाथ में अपने कमान रखिये,
दुश्मन भला गर समझदार हो
दोस्त न कभी नादान रखिये,
क्या पता जाकर न लौटे वापस
हर सांस का अपनी ध्यान रखिये,
बहुत कुछ मिलेगा यहां सुनने को
कभी न अपने कच्चे कान रखिये,
तलवार की भी होती है इज्जत
साथ में सदा इसके म्यान रखिये,
मंजिल मुकम्मल मिल ही जाएगी
जारी हौसलों की उड़ान रखिये,
पाँव रहें सदा तेरे ज़मीन पर
नज़रों में मगर आसमान रखिये,
जो बोओगे मिलेगा तुमको दूना
अमृत जरूर इतना ज्ञान रखिये।

स्कैम अलर्ट

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल के बहाने साइबर ठगी, लिंक क्लिक करना खतरनाक

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़ी फाइल्स रिलीज हुई हैं, जिनमें कई नामी और दिग्गज हस्तियों को लेकर बड़े खुलासे हुए हैं। साइबर ठग इस मौके का फायदा उठा रहे हैं, वे ऐसे लिंक लोगों को भेज रहे हैं, जिनसे उनके बैंक खाते की डिटेल्स तक चुरा रहे हैं।

सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ऐप्स पर इन दिनों ' Epstein files leaked' के नाम से लिंक तेजी से शेयर किए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि मशहूर हस्तियों के लीक हुए फोटो और दस्तावेज हैं। लेकिन रुकिए, ऐसे लिंक पर क्लिक करने से आपके बैंक खाते में सेंध लग सकती है, मोबाइल या लैपटॉप तक साइबर ठग एक्सेस हासिल कर सकते हैं। ऐसे में आपको सतर्क रहने की जरूरत है, वरना आप भी साइबर ठगी का शिकार हो सकते हैं।

कुछ लिंक तो ऐसे हैं, जिन पर क्लिक करने पर लोगों को एक ऐप डाउनलोड और इंस्टॉल करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे ऐप या लिंक पर क्लिक करने के बाद मोबाइल की फोटो गैलरी, कॉन्टैक्ट लिस्ट, मेसेज, कैमरा और माइक्रोफोन तक साइबर ठगों की पहुंच हो सकती है। ये लिंक epstein-files112-browser.vercel.app या usepstein-files-browser.vercel.app जैसे नामों से भेजे जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है।

लिंक क्लिक किया तो फोन री-सेट करें: साइबर एक्सपर्ट डॉ. रक्षित टंडन ने बताया कि स्कैंडल की फोटो दिखाने का दावा करने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। अगर गलती से लिंक पर क्लिक कर दिया या कोई फाइल डाउनलोड की है तो मोबाइल फोन को जल्द से जल्द फैक्ट्री री-सेट कर दें। याद रखें कि सिर्फ फाइल डिलीट करने से मैलवेयर नहीं हटता है। इनमें स्क्स फॉरवर्डर लगा होता है, जो सारी डिटेल्स ठगों तक भेजता रहता है। अपने बैंकिंग कार्ड को भी ब्लॉक करा दें। सिर्फ विश्वसनीय सोर्स से मिली न्यूज पर ही भरोसा करें।

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने दिवंगत यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े 3 लाख दस्तावेज जारी किए हैं। इनमें अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं। कुछ फोटो में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं।

नॉलेज

दो महाद्वीपों में बसा इकलौता महानगर इस्ताम्बुल, बीच से बहता है समंदर

दुनियाभर में कई ऐसी हैरान करने वाली जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। आज हम आपको एक ऐसे ही महानगर के बारे में बताएंगे जो दुनिया के नक्शे पर मौजूद अद्भुत शहर है, जिसकी एक गली यूरोप में खुलती है तो दूसरी एशिया की मिट्टी को छूती है। लेकिन इस बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ये शहर तुर्कीए का इस्तांबुल है, जिसका भौगोलिक करिश्मा इसे दुनिया के किसी भी अन्य शहर से अलग और अधिक रहस्यमयी बनाता है। इसके बीचों-बीच से गुजरने वाली समंदर की लहरें दो महाद्वीपों को बांटती भी हैं और जोड़ती भी हैं। बता दें कि इस्तांबुल, तुर्की (Turkey) का सबसे बड़ा और दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला शहर है, जो न केवल अपनी सुंदरता के लिए बल्कि अपनी इस अनोखी स्थिति के लिए भी जाना जाता है।

इस्तांबुल का यूरोपीय हिस्सा इसके एशियाई हिस्से से बोस्फोरस जलडमरूमध्य द्वारा अलग होता है। यह 31 किलोमीटर लंबा जलमार्ग है, जो उत्तर में काला सागर को दक्षिण में मरमरा सागर से जोड़ता है। यह जलमार्ग दोनों महाद्वीपों के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाता है। बोस्फोरस पर बने दो विशाल पुल (बोस्फोरस ब्रिज और फातिह सुल्तान मेहमत ब्रिज) इन दोनों महाद्वीपों को भौतिक रूप से एक-दूसरे से जोड़ते हैं। इन पुलों के जरिए लोग हर रोज महज चंद मिनटों में एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप की यात्रा कर लेते हैं, जो अपने आप में एक अनोखा अनुभव है। हालांकि, यह शहर दोनों तरफ फैला हुआ है, लेकिन अधिकांश पर्यटक इसके यूरोपीय हिस्से को अधिक पसंद करते हैं। इसका मुख्य कारण यहां का समृद्ध ऐतिहासिक महत्व है।

यूरोपीय हिस्सा इस्तांबुल का व्यावसायिक केंद्र भी है, जहां बड़े बैंक, स्टोर, कॉर्पोरेट ऑफिस और शहर की लगभग दो-तिहाई आबादी रहती है। दूसरी ओर, एशियाई हिस्सा तुलनात्मक रूप से अधिक शांत और आरामदायक महसूस होता है। यहां चौड़ी सड़कें, सुंदर आवासीय इलाके और पर्यटकों के लिए होटल या आकर्षण कम हैं, जिससे यहां का माहौल अधिक स्थानीय और सुकून भरा लगता है। एशियाई हिस्से की शांत गलियां और पारंपरिक तुर्की टी हाउस, पर्यटकों को एक अलग ही शांति का अहसास कराते हैं। बता दें कि इस्तांबुल दुनिया का सबसे बड़ा और प्रमुख शहर है, जो दो महाद्वीपों के बीच बंटा हैं। रूस के ओरेनबर्ग और मैग्नीटोगोर्स्क , कजाकिस्तान का अतरौऔर मिस्त्र का स्वेज सिटी भी ऐसे ही 2 महाद्वीपों में बसे हैं, लेकिन इस्तांबुल से आकार, आबादी और प्रभाव के मामले में छोटे हैं।

न्यूज विंडो

बीएलओ ने एसडीएम सहित वरिष्ठ अधिकारियों का किया सम्मान

नर्मदापुरम। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित बैठक में बीएलओ और सुपरवाइजर्स को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान नाम जोड़ने, हटाने व सुधार संबंधी आपत्तियों के निराकरण पर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यक्रम के अंत में बीएलओ व सुपरवाइजर्स ने उत्कृष्ट सहयोग के लिए एसडीएम जय सोलंकी, अपर तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर और नायब तहसीलदार रूचि गोयल का पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर बीएलओ सुपरवाइजर आलेक कुमार चौबे, बीएलओ कुअर सिंह वाडिवा व माया मालवीय ने अधिकारियों को सम्मानित किया। बीएलओ सुपरवाइजर रामकुमार गौर ने बताया कि होशंगाबाद विधानसभा के मतदान केंद्र-1 से 140 तक के सभी अमले को निर्वाचन कार्यालय व वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा बीएलओ व सुपरवाइजर्स ने बेहतरीन कार्य किया, जिससे पुनरीक्षण सरल हुआ। आगे भी अधिकारियों का सहयोग अपेक्षित है ताकि दायित्व बेहतर निभाए जा सकें।

जन सहयोग से संचालित गौशाला में नवीन शेड का हुआ लोकार्पण

इटारसी। न्यास कॉलोनी स्थित श्री द्वारकाधीश राम जानकी मंदिर समिति एवं जनसहयोग से संचालित श्रीजी कृपा गौशाला में सोमवार को नवीन शेड का लोकार्पण हुआ। अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास परम पूज्य गोवत्स राधाकृष्ण महाराज के कर कमलों एवं समिति अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में गौशाला परिसर में गोवंश के लिए निर्मित नए शेड का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाराज श्री ने उपस्थित जनों को संबोधित भी किया। उल्लेखनीय की पूज्य महाराज राधे कृष्ण इटारसी में नानी बाई रो मायरा की कथा श्रवण करने पधारे हैं इस श्रृंखला में उन्होंने श्री जी कृपा गौशाला पहुंचकर नवीन सेट का लोकार्पण किया एवं गौ माता के महत्व का वर्णन करते हुए नागरिकों को संबोधित किया महाराज श्री ने क्षेत्रीय विधायक डॉ शर्मा के साथ गौशाला का निरीक्षण कर गोवंश को चारा भी खिलाया। गौशाला संचालन समिति के प्रमुख रमेश चांडक ने महाराज श्री का शाल श्रीफल से स्वागत किया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी प्रमोद पगार ने किया। इस अवसर पर सभापति राकेश जाधव, प्रदीप मालपानी, विजय मालपानी, उमेश अग्रवाल, गुलाबचंद अग्रवाल, अशोक मालवी, संजय गोठी, अनिल राठी, ओपी गांधी, विपिन चांडक, अर्पण महेश्वरी, प्रहलाद बंग, पंकज अग्रवाल, श्रीकांत मोलसरिया, जगदीश मालवीय सहित अन्य उपस्थित रहे।

पानी की टंकियों की सफाई शुरू शाम की जल सप्लाई रहेगी बंद

गंजबासौदा। शहर में पानी की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके तहत वेतवा नदी स्थित वॉटर फिल्टर प्लांट सहित नगर की सभी पानी की टंकियों की साफ-सफाई का कार्य दिसंबर 31 दिसंबर तक किया जाएगा। इस दौरान शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था अस्थायी रूप से बदली रहेगी। नगर पालिका से मिली जानकारी अनुसार सफाई कार्य के चलते प्रतिदिन नगरवासियों को केवल सुबह के समय ही पानी उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि शाम की जल सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। कई टंकियों में लंबे समय से गाद, काई और अन्य अशुद्धियां जमा हो गई थीं, जिससे जल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी। साफ-सफाई के दौरान टंकियों को खाली कर अंदर की पूरी तरह से धुलाई की जाएगी। इसके साथ ही पाइप लाइनों की जांच भी की जाएगी, ताकि कहीं से लीकेज या तकनीकी खराबी न रहे। नगर पालिका का दावा है कि इस कार्य के बाद शहरवासियों को पहले से अधिक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिलेगा। शाम की सप्लाई बंद होने से कुछ इलाकों में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। नगर पालिका का कहना है कि नागरिक पहले से पानी का भंडारण कर लें और पानी का उपयोग सोच-समझकर करें।

विशकावली में गरीब बच्चों को वितरित किए गर्म कपड़े

गंजबासौदा। प्राथमिक शाला विशकावली के शिक्षक मनीष अरोरा ने अपने माता-पिता के पुण्य स्मरण में 20 स्कूली बच्चों एवं पांच आंगनवाड़ी के बच्चों को गर्म कपड़ों की किड्स भेंट की। एवं स्कूल के सभी कमरों एवं लेटवाथ में टाइल्स लगाई गई। इसके साथ ही विद्यालय में एक बगिया बनाई गई है, जिसमें सभी अतिथियों द्वारा बगिया का निरीक्षण कर सराहना की। गर्म कपड़ों की किड्स में जरकिन, लोअर, टोपा और मौजा सम्मिलित है। प्राथमिक शाला विशकावली में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर, मां सरस्वती की पूजा अर्चन की गई। अतिथियों द्वारा विद्यालय का पूर्ण रूप से निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं को देखा और सराहना की। कार्यक्रम के अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी परता अहिरवार, बीआरसी बृजेंद्र रघुवंशी, हाई स्कूल की प्राचार्य सुनीता पाराशर, सरपंच राजेंद्र सिंह दांगी, जनपद सदस्य तीरथ सिंह, शिक्षक साथी पृथ्वीसिंह रघुवंशी सहित अनेक शिक्षक एवं ग्रामीण जन सहित विद्यालय परिवार के बच्चे एवं उनके पालक मौजूद रहें।

देशभर के लिए मॉडल बना राजगढ़ का कुंडीबेह, जल अर्पण कार्यक्रम आज

पानी की किल्लत रोक देती थी शादी, 24 घंटे पानी वाला देश का पहला गांव बना मिसाल

अब भारत के हर गांव में अपनाया जाएगा यही मॉडल

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

राजगढ़ का एक छोटा सा गांव कुंडीबेह अब देश के जल मानचित्र पर मिसाल बनकर उभरा है। यहां पिछले एक साल से ग्रामीणों को 24 घंटे नल से पानी की सप्लाई निर्बाध होती है। विभाग का दावा है, कुंडीबेह देश का पहला ऐसा गांव है जहां ग्रामीणों को सालभर से चौबीसों घंटे पेयजल सप्लाई हो रही है।

इसी उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए मंगलवार को गांव में देश का पहला जल अर्पण कार्यक्रम होगा। यह आयोजन जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। जिला मुख्यालय से मात्र 10 किमी दूर स्थित यह गांव आज आधुनिक जल प्रबंधन का मॉडल बनने जा रहा है। गांव के 124 घरों के साथ आसपास की कॉलोनियों और परसपुरा, किशनपुरिया जैसे गांवों तक पानी पहुंच रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के पास स्थित फिल्टर प्लांट में पानी शुद्ध किया जाता है, जिसकी नियमित जांच होती है। मीटर से रोजाना सप्लाई और खपत का रिकॉर्ड रखा जाता है। ग्रामीण बहादुर सिंह सोलंकी बताते हैं कि कभी पानी की किल्लत इतनी थी कि गांव से शादी अवसर तक करना मुश्किल होता था। आज 24 घंटे नल से जल ने गांव की तस्वीर ही बदल दी है।

मॉडल को देखने आएंगे केंद्र-राज्य के अफसर

जल एवं स्वच्छता समिति और ग्राम पंचायत के प्रयासों की चर्चा देशभर में है। कलेक्टर गिरीश मिश्रा ने बताया, एमपी के इस गांव के इसी मॉडल को देखने मंगलवार को केंद्र से मिशन डायरेक्टर विकास कुमार, संयुक्त संचालक स्वाति मीना नायक, पीएचई मंत्री संपत्तिया उईके, पीएस पी. नरहरी व अन्य आएंगे। भारत सरकार इस मॉडल को अब देशभर में प्रभावी बनाएगी।

प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं को आत्म रक्षा के दिए टिप्स

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

गीता परिवार मध्यांचल प्रणीत गीता परिवार मध्यप्रदेश एवं के.डी.बी.एम. इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह अनिवासी प्रशिक्षण शिविर विशेष रूप से युवतियों एवं किशोरियों के लिए आयोजित किया गया है, जो 22 दिसंबर से 27 दिसंबर तक चलेगा। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों एवं आयोजकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिविर की विधिवत शुरुआत की गई। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में बालिकाओं को केवल शैक्षणिक रूप से नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आत्मरक्षा के क्षेत्र में भी सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर तेजोऽहम् शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में प्रतिभागियों को योगासन, सूर्य नमस्कार, ज्ञानेन्द्रिय संवर्धन, प्रज्ञा संवर्धन, ब्रेन डेवलपमेंट, भगवद्गीता का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। साथ ही लाठी-काठी प्रशिक्षण, मंच संयोजन, गोपुरम निर्माण, टाइम मैनेजमेंट, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, मैदानी खेल एवं विविध स्पर्धाओं के माध्यम से बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य युवतियों एवं किशोरियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मरक्षा की भावना विकसित करना है, जिससे वे जीवन की हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना कर सकें। प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों एवं मार्गदर्शकों द्वारा दिया जा रहा है।

विधिक सहायता शिविर में दी जानकारी

इटारसी। दोपहर मेट्रो

विकासखंड केसला मे विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सेशन न्यायाधीश इटारसी आदित्य रावत द्वारा की गई। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती आशा मौर्य, थाना प्रभारी केसला उमाशंकर यादव, छात्रावास सीनियर बालक/ बालिका छात्रावास अधीक्षक सुजीत मिश्रा, श्रीमती शक्ति राजपूत तथा अन्य अधीक्षक गण उपस्थित रहे। उक्त आयोजन मे शासकीय आदिवासी उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास एवं बालिका छात्रावास के विद्यार्थी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत श्रीमती आशा मौर्य द्वारा किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत में न्यायाधीश श्री रावत द्वारा विद्यार्थियों को कानून संबधित जानकारी के साथ-साथ जीवन कौशल से जुड़ी हुई विभिन्न बाते बताई गयी। बच्चों द्वारा उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया गया। छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए जिनकी जिज्ञासा का समाधान न्यायाधीश श्री रावत द्वारा किया गया।

चचेरे भाइयों की हत्या का आज खुलेगा राज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

माखन नगर थाना क्षेत्र में गत दिनों लापता हुए चचेरे भाइयों करण कीर और शुभम कीर की हत्या के दोहरे कांड में पुलिस आज बड़ा खुलासा करेगी। पुलिस कंट्रोल रूम में दोपहर 1 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।पुलिस कप्तान साईं कृष्णा एस थोटा, एएसपी अभिषेक राजन, एसडीओपी संजू चौहान और थाना प्रभारी अनूप उईके मीडिया को बताएंगे कि जांच में अब तक क्या मिला, आरोपियों तक कैसे पहुंची पुलिस और हत्या का मुख्य कारण क्या था।जानकारी के मुताबिक, ग्राम मनवाड़ा से लापता दोनों भाइयों के शव अलग-अलग जगह मिले थे। 18 दिसंबर को करण का शव सोहागपुर क्षेत्र के बांसखापा रेलवे फाटक के पास ट्रैक पर मिला। वहीं, 20 दिसंबर को शुभम का शव बागरा के जंगल में बरामद हुआ।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया निरीक्षण

विवेकानंद घाट के कार्य में लेटलतीफी पर जताई नाराजगी, गुणवत्तापूर्ण निर्माण के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा जयंती पर स्वच्छता अभियान एवं विवेकानंद घाट पर चल रहे जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण सोमवार को नपाध्यक्ष नीतू यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव द्वारा किया गया। सौंदर्यीकरण कार्य की गति धीमी होने पर उपयंत्री एवं निर्माण एजेंसी के प्रति नाराजगी जताई। कार्य तेजगति से करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपयंत्री कार्य प्रभारी आयुषी रिछारिया, अंबक पाराशर, रीना गुप्ता, दीक्षा तिवारी , पार्षद राजेंद्र उपाध्याय, स्वच्छता प्रभारी कमलेश तिवारी, धर्मेंद्र जाट आदि उपस्थित रहे। उपयंत्री आयुषी रिछारिया ने बताया कि नपाध्यक्ष एवं सीएमओ के निर्देश पर विवेकानंद घाट का सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है। कार्य में देरी होने पर नपाध्यक्ष श्रीमती यादव, सीएमओ श्रीमती पटले और विधायक प्रतिनिधि श्री यादव द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। निर्माण एजेंसी को तेज गति से समयसीमा में तथा गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मां नर्मदा प्रकटोत्सव से पहले सभी घाटों की रंगाई, पुताई एवं विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए।

अभ्युदय मप्र ग्रोथ समिट में सीएम नर्मदापुरम की 29 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन करेंगे

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 दिसंबर को ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट में नर्मदापुरम जिले की 29 औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन करेंगे। इन इकाइयों की लागत करीब 4500 करोड़ रुपये है। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के गृहमंत्री की उपस्थिति भी प्रस्तावित है।नर्मदापुरम संभाग में संयुक्त संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां ग्वालियर समिट का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल जिले के कलेक्टरों को सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में एमएसएमई एवं अन्य औद्योगिक इकाइयों के उद्योगपति शामिल होंगे। नोडल अधिकारी एमपी आईडीसी के श्री वर्मा ने बताया कि अधिक से अधिक रोजगार देने वाले एवं शासकीय योजनाओं से तेजी से ग्रोथ करने वाले उद्योगपतियों को सम्मानित किया जाएगा। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सभी जिले अपने उद्योगपतियों को कार्यक्रम में शामिल कराएं।कमिश्नर श्री तिवारी ने कहा कि संभाग स्तरीय कार्यक्रम में निवेश एवं रोजगार संबंधी सभी विभागों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित हो। पूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण एवं नई इकाइयों के भूमि पूजन के लिए एमपीआईडीसी सूची तैयार करे। 25 दिसंबर से पूर्व स्थल चयन कर आमंत्रण जारी हों। उत्कृष्ट योगदान वाले निवेशकों एवं एमएसएमई उद्योगपतियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। चयनित लाभार्थी ग्वालियर समिट में भी जाएंगे।वीडियो कॉन्फ्रेंस में नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन तथा जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर एवं एमपी आईडीसी श्री वर्मा ऑफलाइन उपस्थित रहे।

पार्टी में जोश, समन्वय और नई सोच के साथ आगे बढ़ने का लिया संकल्प

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विनोद सेन के निवास पर सिरोंज विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्षों का उत्साहपूर्ण और आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर सिरोंज ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेश यादव, लटेरी ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एड. यदुवीर सिंह बघेल, लटेरी नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाब अहिरवार जी पार्षद, देवपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन राजपूत सरपंच का अभिनंदन कर नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। संगठन में जोश, समन्वय और नई सोच के साथ आगे बढ़ने का यह संकल्प निश्चित ही सिरोंज विधानसभा कांग्रेस को और अधिक सशक्त बनाएगा। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसर खांन आशीष जैन मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के सचिव अतिक मंसूरी जय मंडल यादव सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थें

मेट्रो एंकर

नगर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

नगर की पहचान भक्तों से होती है, महलों और भवनों से नहीं: राधाकृष्ण

इटारसी। दोपहर मेट्रो

किसी भी नगर की पहचान वहां निवासरत ईश्वर के भक्तों से होती है बड़ी-बड़ी इमारतों, महलों और भवनों से नहीं। जिस नगर में जितने अधिक नागरिक ईश्वर की भक्ति में लीन होते हैं, वह नगर उतना ही पूजनीय और वंदनीय हो जाता है। उक्त उद्गार धार्मिक नगरी इटारसी में जोधपुर के अंतर्राष्ट्रीय कथाव्यास गोवत्स राधा कृष्ण महाराज के श्रीमुख से नानी बाई रो मायरो की कथा के प्रारंभिक दिवस पर व्यक्त किए। मालपानी परिसर में सोमवार से कथा का रसपान प्रारंभ हो गया है।

पूज्य गोवत्स राधाकृष्ण महाराज ने प्रथम दिवस की कथा का रसपान कराते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी आधुनिकता पर सवार होकर हमारे संस्कार भूलती जा रही है। हमारे संस्कार ही हमारी सनातनी होने का सबसे बड़ा प्रमाण है। पहले दिखावा नहीं था, परंपराओं पर ही जीवन चलता था। प्रारंभ दिवस की कथा में महाराज श्री ने व्यासपीठ से नरसी मेहता की कथा के वृतांत सुनाए। नरसी मेहता को भगवत प्राप्ति की कथा विस्तार से श्रोताओं को सुनाई। कथा प्रारम्भ होने से पूर्व स्वागत गीत माहेश्वरी महिला मंडल इटारसी ने प्रकट किया। कथा यजमान मालपानी परिवार ने व्यासपीठ का पूजन एवं महाराज श्री का स्वागत किया। ज्ञात हो कि कथा का आयोजन मालपानी परिसर में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायंकाल 5 बजे तक किया जा रहा है। यजमान मालपानी परिवार ने अधिक से अधिक संख्या में धार्मिक जनों से कथा श्रवण करने पहुंचने का आग्रह किया है।

नौरादेही अभ्यारण्य में चीतों की आने की तारीख का ऐलान, जुलाई में आएंगे

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों खजुराहो प्रवास के दौरान आफ्रीकन चीतों के तीसरे घर वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में चीतों के पहुंचने की तारीख तय कर दी है। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया है कि नौरादेही में जुलाई माह में चीते पहुंचेंगे। हालांकि, यह फैसला अप्रैल 2025 में भारतीय वन्यजीव संस्थान और चीता प्रोजेक्ट के अधिकारियों के दौरे के बाद लिया गया था। इस दौरे में अधिकारियों ने नौरादेही टाइगर रिजर्व को चीतों के तीसरे घर के रूप में तैयार करने के निर्देश दिए गए थे।

सरकार द्वारा नौरादेही में चीतों को बसाने के लिए तैयारियों के लिए 5 करोड़ 20 लाख का फंड भी जारी कर दिया था, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा तारीख के ऐलान के बाद अब तैयारियां तेज हो गई हैं. पहले चरण का काम मार्च 2026 तक पूरा करना है. वहीं, अगले चरण का काम पूरा करने के लिए मई 2026 तक डेडलाइन तय की गई है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक विश्व पर्यटन स्थल खजुराहो में हुई थी. ये कैबिनेट बैठक बुंदेलखंड को केंद्र में रखकर हुई थी. इस कैबिनेट बैठक में बुंदेलखंड के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर मुहर लगाई गई थी। इसी बैठक में यह तय हुआ था कि अफ्रीकन चीतों के तीसरे घर नौरादेही टाइगर रिजर्व में जुलाई 2026 में चीते पहुंचेंगे। चीता प्रोजेक्ट के अधिकारी और भारतीय वन्यजीव संस्थानों के विशेषज्ञों ने अप्रैल 2025 माह के अंत में नौरादेही टाइगर रिजर्व का दौरा किया था। इस दौरान चीतों को बसाने के लिए किए जाने वाले सारे जरूरी काम के बारे में नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन को निर्देश दिए थे। जिनके आधार पर प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा गया था।

तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव में खजुराहो में, नौरादेही में चीतों के पहुंचने की घोषणा की है। जुलाई माह में 3 से 4 चीते नौरादेही आएंगे। इसकी तैयारियों के मद्देनजर वन मुख्यालय भोपाल और कूनो से चीता प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने दौरा करके तैयारियों को लेकर जरूरी निर्देश दिए हैं हालांकि, हमने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है और आगामी मार्च 2026 तक प्रमुख काम पूरे हो जाएंगे। इसके अलावा जो जल स्त्रोत विकसित करने का काम है, गर्मी के सीजन में ये काम शुरू होगा और मई 2026 तक काम पूरा कर लिया जाएगा। ताकि बारिश होने पर जल स्त्रोत में पानी आ जाए, जहां तक घास के मैदान विकसित करने की बात है, तो जैसे-जैसे विस्थापन होता जा रहा है. वहां वहां घास के मैदान विकसित किए जाएंगे। घास के मैदान विकसित करने का काम बारिश में होगा. वैसे पहले से ही हमारे यहां काफी बड़े-बड़े घास के मैदान हैं।

न्यूज विंडो

बालाघाट में 13,07,906 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलीकरण पूरा

बालाघाट। जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य जारी है। इस प्रक्रिया के तहत मृत, अनुपस्थित, अन्य स्थान पर पलायन कर चुके, या एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज मतदाताओं की पहचान की जा रही है। साथ ही, वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जिन मतदाताओं या उनके परिजनों के नामों की मैपिंग नहीं हुई है, उनकी भी सूची तैयार की गई है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जिले के कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 13 लाख 07 हजार 906 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है।

छिंदवाड़ा में डाक्टरों को शासकीय आचरण और शिष्टाचार की दी जाएगी ट्रेनिंग

छिंदवाड़ा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और संवेदनशील बनाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। अब जिले के सभी सरकारी डॉक्टरों को शासकीय आचरण और शिष्टाचार की ट्रेनिंग दी जाएगी। जिला पंचायत अग्रिम कुमार ने समय-सीमा की बैठक में ष्ट्रस्॥ह्र को इसके निर्देश दिए हैं। यह फैसला हाल ही में जुन्नारदेव में डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच हुए विवाद के बाद लिया गया है। बीते दिनों जुन्नारदेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच विवाद हुआ था। डॉक्टरों द्वारा परिजनों से अभद्र व्यवहार करने के वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए थे। इन घटनाओं से स्वास्थ्य विभाग की छवि पर सवाल खड़े हुए थे। इसी को देखते हुए प्रशासन ने यह ओरियंटेशन ट्रेनिंग कराने का निर्णय लिया है।

हिन्दू परिषद और बजरंग दल मध्य भारत प्रांत ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

मंडीदीप। नगर में बांग्लादेश में निरंतर हिन्दू समुदाय के विरुद्ध हो रहे नरसंहार, हिंसा, लूटपाट, महिलाओं पर अत्याचार, मंदिरों के विध्वंस एवं जबरन पलायन की घटनाएँ सम्पूर्ण विस के मानवाधिकारों पर एक गहरा आघात हैं। यह घटनाएँ न केवल धार्मिक असहिष्णुता का प्रतीक है, बल्कि सुनियोजित आतंकवादी मानसिकता का परिणाम भी प्रतीत होती है। बांग्लादेश में हिन्दुओं को उनके धर्म, सस्कृति और अस्तित्व के कारण निशाना बनाया जा रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। दुर्भाग्यवश, इन घटनाओं पर बांग्लादेश सरकार द्वारा अपेक्षित ठोस कार्रवाई न किए जाने से वहाँ अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय स्वयं को असुरक्षित और असहाय महसूस कर रहा है। इन्हीं गंभीर परिस्थितियों के विरोध में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् एवं राष्ट्रीय बजरंगदल द्वारा पूरे देश में शातिपूर्ण ढंग से बाग्लादेशी आतंकवाद का पुतला दहन किया जा रहा है तथा भारत सरकार के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकर्षित किया जा रहा है। ज्ञापन सौंपकर भारत सरकार बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाकर हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित कराए, बांग्लादेश में हुए हिन्दू नरसंहार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष जाँच कराई जाए, पीड़ित हिन्दू परिवारों को सुरक्षा, न्याय एवं पुनर्वास दिलाने हेतु ठोस पहल की जाए, मानवाधिकार उल्लंघन के दोषियों पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, बांग्लादेश में हिन्दू धार्मिक स्थलों की सुरक्षा एवं पुनर्निर्माण हेतु विशेष व्यवस्था कराई जाए।

दमोह-छतरपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा

25 फीट गहरी पुलिया में गिरा डंपर कांग्रेस नेता सहित तीन की हुई मौत

तेज रफ्तार डंपर के ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा

दमोह। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। दमोह-छतरपुर स्टेट हाईवे पर 22 दिसंबर की देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में गिट्टी से भरा डंपर 25 फीट गहरी पुलिया में गिर गया, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा बटियागढ़ के पास हुआ, जहां डंपर का ब्रेक फेल हो गया और वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कांग्रेस नेता शहजाद खान सहित तीन लोग गिट्टी में दब गए, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार छतरपुर की ओर से आ रहा गिट्टी से भरा डंपर स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार में था. बटियागढ़ के पास पहुंचते ही अचानक डंपर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित डंपर सीधे करीब 25 फीट गहरी पुलिया से नीचे जा गिरा, जहां पलटने के बाद गिट्टी में तीनों सवार दब गए।

मौके पर पहुंचा प्रशासन

हादसे के तुरंत बाद सड़क से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों घायलों को गिट्टी के नीचे से बाहर निकाला गया. इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि गंभीर रूप से घायल कांग्रेस नेता शहजाद खान को दमोह जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जबलपुर रेफर किया गया.

पड़ताल में जुटी पुलिस

बताया जा रहा है कि जबलपुर ले जाते समय गंभीर रूप से घायल कांग्रेस नेता शहजाद खान ने भी रास्ते में दम तोड़ दिया। इस तरह एक ही हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही इलाके में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होना दुर्घटना की मुख्य वजह मानी जा रही है।

सड़क हादसा

डिंडौरी-मंडला राज्य मार्ग पर दो बाइक की टक्कर, एक की मौत

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

नगर में डिंडौरी-मंडला राज्यमार्ग पर रायपुरा गांव के पास दो बाइक की टक्कर हो गई। इस सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतक अपने बेटे के साथ बेटी को स्कूल से लेने जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 56 वर्षीय सुदेश सिंह टेकाम के रूप में हुई है। वह इंदौर में आईटीआई के शिक्षक थे और निलंबन के बाद पिछले पांच साल से अपने परिवार के साथ मुड़की गांव में रह रहे थे। वे अपनी बाइक (नंबर स्क्क09 ङ्गश्व 1022) से अपने 9 वर्षीय बेटे रुद्र के साथ शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में पढ़ने वाली बेटी को लेने जा रहे थे।इसी दौरान यह घटना हुई।

कक्षा में अभद्रता करने वाले शिक्षक को किया निलंबित

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय हिरवार विकासखंड ब्यौहारी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक रामखेलावन चौधरी द्वारा विद्यालयीन समय में मदिरापान कर नशे की हालत में कक्षा में बैठकर अभद्र, अशोभनीय एवं अमर्यादित भाषा के प्रयोग करने का दोषी पाए जाने पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में शिक्षक चौधरी का मुख्यालय खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जयसिंहनगर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

ऐतिहासिक समागम: वर्षों पुरानी यादों को ताजा कर भाव-विभोर हुए पूर्व विद्यार्थी

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

कोयलांचल क्षेत्र रामनगर राजनगर पौराधार बिजुरी से लगे मनेन्द्रगढ़ में 1970 में शुरू हुई सरस्वती शिशु मंदिर संस्थान के पचपन साल के इतिहास में पहली बार पूर्व छात्रों का सम्मेलन सम्पन्न हुआ। पूर्व छात्रों का समागम ऐतिहासिक, भावनात्मक एवं अत्यंत सफल रहा। वर्ष 1970 में स्थापित विद्यालय के 55 वर्षों के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर पूर्व छात्रों का सम्मेलन सम्पन्न हुआ,जिसमें 1983 से 2005 तक के बैच के विद्यालय से शिक्षार्जन कर चुके भैया-बहिनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर छात्राओं एवं छात्रों ने अपने विद्यालयीन जीवन के स्वर्णिम पलों को याद किया और गुरुजनों का सम्मान कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत साथियों एवं शिक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया, जिससे पूरा परिसर भावुक हो उठा। पूर्व एवं वर्तमान में कार्यरत आचार्यों एवं दीदीयों के सम्मान समारोह के दौरान छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए।

स्कूल बस और ट्रक की भिड़ंत, एक गंभीर घायल

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत धनवारा ग्राम के समीप मंगलवार यानी आज सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर एक स्कूली बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार 19 बच्चों में से एक को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं ट्रक चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हाईवे पर जाम लगा दिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 9 बजे किड्स केयर निजी विद्यालय की बस विलायत कला ग्राम से बच्चों को लेकर कटनी जा रही थी। धनवारा ग्राम के समीप पहुंचने पर पीछे से आ रहे ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर से बस का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दुर्घटना के बाद स्थानीय निवासी और राहगीर मदद के लिए पहुंचे। ग्रामीणों ने बस में फंसे सभी 19 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है।

मेट्रो एंकर अटल स्मृति वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में उमड़ा कार्यकर्ताओं का हुजूम

अटल जी के सपनों के भारत को सुशासन से सींच रही भाजपा: शर्मा

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

भारतीय राजनीति के पितृपुरुष पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अटल स्मृति वर्ष विधानसभा सम्मेलन ऐतिहासिक भव्यता के साथ संपन्न हुआ। महेश्वर विधानसभा के चारों मंडलों महेश्वर, मंडलेश्वर, करही और बलवाड़ा से आए हजारों कार्यकर्ताओं और मातृशक्ति की उपस्थिति ने कार्यक्रम को जन-आंदोलन का स्वरूप दे दिया।

सड़क, शिक्षा और सुशासन अटल जी की विरासत- सुरेंद्र शर्मा सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष व निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने अटल जी के व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि अटल जी ने केवल नारे नहीं दिए, बल्कि विकास के वह पदचिह्न छोड़े जिन पर आज देश चल रहा है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने ही संकल्प लिया था कि देश का हर गांव मुख्य सड़क से जुड़े। आज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कारण ही ग्रामीण भारत की तस्वीर बदली है। वर्तमान भाजपा सरकार उनके सुशासन के संकल्प को ही आगे बढ़ा रही है। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहीं भाजपा जिला अध्यक्ष नंदा ब्रहामणे एवं विधायक राजकुमार मेव ने केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को अटल जी की दूरगामी सोच का विस्तार बताया। वक्ताओं ने नदी जोड़ो परियोजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, सर्व शिक्षा अभियान और अंत्योदय अन्न योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना की। अतिथि ओम सोनीने भी अटल जी के ऐतिहासिक कार्यों को साझा किया।

इनकी रही गरिमामय उपस्थिति

इस अवसर पर सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल , पूर्व विधायक भूपेंद्र आर्य, महेश्वर मण्डल अध्यक्ष विक्रम पटेल, मण्डलेश्वर मण्डल अध्यक्ष डॉक्टर देवेंद्र पाटीदार, करही मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गोड़, बलवाड़ा मण्डल अध्यक्ष विष्णु यादव महेश्वर जनपद पंचायत अध्यक्ष अशोक डावर, बड़वाह जनपद उपाध्यक्ष वीरेंद्र माले, महेश्वर जनपद उपाध्यक्ष लालसिंह पटेल, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सतीश मोयदे, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा, पार्षद नितिन पाटीदार, महेश्वर पार्षद जितेंद्र केवट, विक्की पाटीदार, रोहित केवट, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंजुला मेवाड़े, शंकर पाटीदार, रमेश मित्तल, किशन पाटीदार, भीमसिंह ठाकुर, हरिराम पाटीदार, बहादर सिंह पटेल, कैलाश यादव, जयप्रकाश जाट, महामंत्री महादेव पाटीदार , नरेंद्र यादव, कुलदीप पटेल , प्रवेश जैन , बलराम पटेल, डॉ. वर्मा, द्वारकादास महाजन (दादू), नहर अध्यक्ष वीरेंद्र पाटीदार , अंकित जैन रामचंद्र पाटीदार, दीपक ठाकुर , लोकेंद्र मंडलोई, भगवान सिंह चौहान, नंदराम मुकाती , भाजपा महामंत्री महेश्वर रवि चौहान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन बिहारी पाटीदार ने किया व आभार महेश्वर मण्डल अध्यक्ष विक्रम पटेल ने माना।

चोपड़ा ने ने सेलेक्टर्स पर उठाए सवाल

टी20 वर्ल्ड कप में यशस्वी को शामिल न करना बड़ी गलती

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की टीम में यशस्वी जायसवाल को शामिल न किए जाने पर सवाल उठाए हैं। चोपड़ा ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद यह माना जा रहा था कि इससे यशस्वी के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी का रास्ता खुलेगा। हालांकि, इन बदलावों के बाद भारतीय क्रिकेट में चयन की तस्वीर और ज्यादा जटिल हो गई है।

क्या बोले आकाश चोपड़ा

चोपड़ा ने याद दिलाया कि यशस्वी जायसवाल 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टीम संयोजन के कारण उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने 2024 टूर्नामेंट से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक भी जड़ा था। वह उन चुनिंदा भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाए हैं, जो चयन के लिए उनकी मजबूत दावेदारी को और पुख्ता करता है। जायसवाल ने अब तक 23 टी20ढ्ढ मैचों में 723 रन बनाए हैं, औसत 36।15 और स्ट्राइक रेट 164।31 रहा है।

गिनाई यशस्वी की खूबियां

आकाश ने अपने यूट्यूब पर कहा, जिस तरह से यशस्वी खेलते हैं, तर्कसंगत रूप से उन्हें सबसे पहले टीम में आना चाहिए और वह आए भी थे। वह 2024 टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। उन्हें खेलने का मौका सिर्फ इसलिए नहीं मिला क्योंकि टीम में जगह नहीं थी। उससे पहले जब उन्होंने खेला था, तब उन्होंने शतक भी लगाया था। उनका नाम उन छह भारतीय खिलाड़ियों में है जिन्होंने तीनों प्रारूपों में शतक लगाए हैं।

आकाश ने कहा की माना जा रहा था कि यशस्वी चयन क्रम में आगे हैं। इसी दौरान अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने ओपनिंग की और अच्छा प्रदर्शन किया, और अचानक आपको एहसास होता है कि अब जगह नहीं बची है। इसके बाद जब ओपनिंग का विकल्प सामने आया, तो भारत ने शुभमन गिल को चुना।

संजू सैमसन के अब पहले पसंद के विकेटकीपर-ओपनर बनने के बाद, चोपड़ा का मानना है कि भारत को एक बैकअप विकेटकीपर की जरूरत है, जिससे यशस्वी जायसवाल की दावेदारी और कमजोर हो गई। टीम संतुलन बनाए रखने की मजबूरी ने चयनकर्ताओं के लिए जायसवाल की स्थिति को और जटिल बना दिया।

चोपड़ा ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा कि आने वाला आईपीएल यशस्वी जायसवाल के लिए बेहद अहम होगा, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि 2023 से लगातार रन बना रहे खिलाड़ी के लिए सहानुभूति महसूस करना स्वाभाविक है। यशस्वी जायसवाल की जगह भारत ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान किशन को टीम में चुना है।

टी20 वर्ल्ड कप में दूर होगी फिनिशर की समस्या!

अगर हार्दिक पांड्या और रिंकू सिंह साथ खेले तो बनेगा स्पेशल कॉम्बो

सुंदर और शिवम दुबे लोअर ऑर्डर बल्लेबाज की अच्छे से निभा सकते हैं भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान 20 दिसंबर (रविवार) को किया गया था। भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई सूर्यकुमार यादव करेंगे, जबकि अक्षर पटेल को उनका डिप्टी बनाया गया है। शुभमन गिल और जितेश शर्मा स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं, जिन्हें वर्ल्ड कप टीम से ड्रॉप किया गया है। ईशान किशन और रिंकू सिंह को इन दोनों खिलाड़ियों के बदले टीम में जगह मिली है।

ईशान किशन और रिंकू सिंह टीम का तो हिस्सा बन गए, लेकिन उनके लिए प्लेइंग-11 में जगह बनाना आसान नहीं होगा। ईशान किशन अक्सर सलामी बल्लेबाज की भूमिका में ही दिखते हैं, जबकि रिंकू सिंह लोअर मिडिल ऑर्डर में खेलते हैं। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को भारतीय टीम वर्ल्ड कप में बतौर ओपनर आजमा सकती है, जिसके कारण ईशान को मौके के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। उधर शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर के होते रिंकू का खेलना मुश्किल लग रहा है। सुंदर और शिवम लोअर ऑर्डर बल्लेबाज की भूमिका तो अच्छे से निभा ही सकते हैं, साथ ही गेंद से भी उपयोगी साबित ह ोते हैं।

हार्दिक की पावरफुल हिंटिंग, रिंकू भी कम नहीं

हार्दिक पंड्या और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी का असर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों पर भी पड़ता है। जब टीम में नीचे बड़े हिटर मौजूद होते हैं, तो ऊपर के बल्लेबाज आजादी से खेलते हैं, जिससे टीम अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर पाती है। चोट से वापसी के बाद हार्दिक बेहद खतरनाक अंदाज में नजर आए हैं। हार्दिक ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में 186.84 की स्ट्राइक रेट और 71.00 की औसत से 142 रन बनाए थे। सबसे खास बात यह है कि हार्दिक ज्यादा जोखिम उठाए बिना बड़े शॉट्स खेला करते हैं। उन्हें रोकने के लिए गेंदबाजों को बिल्कुल सटीक लेंथ-लाइन पर बॉलिंग करनी पड़ती है, हल्की सी भी गलती हुई और वो गेंद को बाउंड्री पार भेज देते हैं। अहमदाबाद में कॉर्बिन बॉश की यॉर्कर सिर्फ एक मिलीमीटर से चूकी और हार्दिक ने गेंद को स्टैंड्स में भेज दिया था। वडोदरा से आने वाले हार्दिक गेंद को फ्लैट तरीके से मारते हैं। रिंकू सिंह भी रिस्की शॉट खेलने से नहीं हिचकिचाते हैं। रैम्प शॉट, रिवर्स स्वीप और ऑफ साइड ऊपर से बड़े शॉट खेलना रिंकू को पसंद है। रिंकू ने भारतीय टीम के लिए 35 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर केवल 550 रन बनाए हैं। लेकिन इस दौरान रिंकू का एवरेज 42।30 और स्ट्राइक रेट 161।76 रहा है, जो शानदार कहा जा सकता है। ये आंकड़ा बताता है कि रिंकू बतौर फिनिशर कितने दमदार रहे हैं। रिंकू के छक्कों की ऊंची उड़ान होती है, गेंद अक्सर रात के आसमान में गायब हो जाती है। रिंकू हार्दिक जितने बॉटम-हैंडेड नहीं हैं, लेकिन फिर भी वो तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं।

हार्दिक की तरह इंपैक्ट डाल सकते हैं रिंकू सिंह

वैसे रिंकू सिंह को प्लेइंग-11 में शामिल कर भारतीय टीम शानदार चाल भी चल सकती है। रिंकू सिंह यदि खेलते हैं, तो हार्दिक पंड्या की तरह ही वो बल्ले से इम्पैक्ट डाल सकते हैं। दोनों मिलकर फिनिशर की भूमिका भी अच्छे से निभाने में सक्षम हैं। हार्दिक और रिंकू की बल्लेबाजी प्रोफाइल एक जैसी भी है और अलग भी। दोनों को आमतौर पर फिनिशर माना जाता है, लेकिन इन दोनों के खेल में इससे कहीं ज्यादा गहराई है। हार्दिक और रिंकू की बैटिंग मजबूत तकनीक पर आधारित है। जरूरत पड़ने पर दोनों स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं, पारी को संभाल सकते हैं और बल्लेबाजी क्रम में कहीं भी खेलने में सक्षम हैं। हालांकि सामान्य परिस्थितियों में इनका मुख्य रोल पहली गेंद से आक्रमण करना होता है।

आईपीएल की सनसनी कृष्णप्पा गौतम ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। कर्नाटक के दिग्गज ऑलराउंडरों में शुमार कृष्णप्पा गौतम ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही भारतीय घरेलू क्रिकेट में उनके 14 साल लंबे करियर का अंत हो गया।

निचले क्रम में दमदार बल्लेबाज़ी और भरोसेमंद ऑफ-स्पिन के लिए पहचाने जाने वाले गौतम रणजी ट्रॉफी, आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक छोटे लेकिन यादगार सफर के लिए जाने जाते हैं।

गौतम ने 2012 रणजी ट्रॉफी सीज़न में उत्तर प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के लिए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया और पहले ही मैच में शानदार प्रभाव डाला। अपने पहले मुकाबले में उन्होंने सुरेश रैना और भुवनेश्वर कुमार जैसे बड़े विकेट झटके। उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता ने जल्द ही उन्हें कर्नाटक की मजबूत टीम का अहम हिस्सा बना दिया। 2016-17 का रणजी सीज़न उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ, जब गौतम ने सिर्फ आठ मैचों में 27 विकेट लेकर खुद को एक सच्चे ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। इसके अगले सीज़न में उन्होंने मैसूरु में असम के खिलाफ अपना पहला फर्स्ट क्लास शतक जड़ा, जिससे बल्ले और गेंद दोनों से मैच को प्रभावित करने की उनकी क्षमता और मजबूत हुई। अपने घरेलू करियर में गौतम ने 59 फर्स्ट क्लास और 68 लिस्ट-ए मैचों में 320 से अधिक विकेट हासिल किए, साथ ही निचले क्रम में कई अहम रन भी जोड़े। वह 2023 तक कर्नाटक क्रिकेट का नियमित हिस्सा बने रहे। इसके बाद भले ही उन्हें राज्य टीम से बाहर कर दिया गया हो, लेकिन घरेलू सर्किट पर उनका कुल प्रभाव बेहद अहम रहा।

घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस में 2.5 गुना इजाफा, बीसीसीआई का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने देशभर की महिला क्रिकेटरों को क्रिसमस से पहले एक बड़ा तोहफा दिया है। बीसीसीआई ने अपनी हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में महिला घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में बड़ी बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। यह कदम महिला क्रिकेट के लिए एक अहम और सकारात्मक बदलाव माना जा रहा है।

ये प्रस्ताव सोमवार, 22 दिसंबर को हुई एपेक्स काउंसिल की बैठक में रखा गया था। इस नए फैसले के तहत महिला घरेलू खिलाड़ी अब पहले की तुलना में 2।5 गुना तक ज्यादा कमाई करेंगी। इससे क्रिकेट को एक पेशेवर करियर के रूप में अपनाने की आर्थिक मजबूती भी बढ़ेगी। इससे पहले सीनियर महिला खिलाड़ियों को प्रति दिन 20,000 रुपये मैच फीस मिलती थी, जिसे अब बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति दिन कर दिया गया है। यह दर प्लेइंग इलेवन में शामिल खिलाड़ियों पर लागू होगी।

रिजर्व खिलाड़ियों को भी मिलेगा फायदा

हालांकि इस नई संरचना का लाभ केवल प्लेइंग इलेवन तक सीमित नहीं रहेगा। टीम में रिज़र्व के तौर पर चुनी गई खिलाड़ियों की मैच फीस में भी बड़ा इजाफा किया गया है। सीनियर रिज़र्व खिलाड़ियों की प्रति दिन फीस 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है, जिससे पूरे स्क्वाड को बेहतर आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। बीसीसीआई का यह बड़ा फैसला ऐसे समय में आया है जब महिला क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय और संरचनात्मक रूप से मजबूत हो रहा है। जय शाह के कार्यकाल के दौरान बोर्ड ने महिला क्रिकेट को सशक्त बनाने के लिए कई अहम सुधार किए थे। इन प्रयासों का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दिखा, जहां इसी तरह की गति आईसीसी में भी देखने को मिली, जहां वर्तमान में जय शाह अध्यक्ष हैं। मिथुन मन्हास के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के बाद भी महिला क्रिकेट के विकास पर बोर्ड का फोकस बना हुआ है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

2 बार टूटी शादी-झेला दर्द, लेकिन नहीं टूटी दलजीत कौर,

अब बिजनेस वुमन बनने की तैयारी, छोड़ेंगी शोबिज?

टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। उनकी दो बार शादी टूटी है। शालीन भनोट और निखिल पटेल से अलग होने के बाद दिलजीत सिंगल रहकर अपनी लाइफ बिता रही हैं। अब बेटा जेडन ही उनके लिए सब कुछ है। वो बेटे की परवरिश और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। मुंबई शिफ्ट होने के बाद उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स को रीड किया है।

दलजीत एक्टिंग असाइनमेंट की तरफ लौटने के अलावा ब्रैंड न्यू एंटरप्रेन्योर जर्नी भी शुरू करने वाली हैं। ईटाइम्स संग बातचीत में दिलजीत ने बताया कि वो जल्द सिल्वर जूलरी वेंचर में एंट्री करने वाली हैं। इसमें वो हैंड पिक्ड के अलावा पर्सनली डिजाइन्ड पीसेस को भी रखेंगी। दलजीत का कहना है जूलरी सालों से उनका पर्सनल पैशन रहा है।

अपने वेंचर के बारे में बोलते हुए वो

कहती हैं- हां। ये सच है। मैं इसे जल्द शुरू करने की सोच रही हूं। जो भी मैं पहनती हूं उसे मेरे आसपास के लोगों ने पसंद किया है। मैं इसे बहुत ही पैशन के साथ डिजाइन करती हूं। मुझे लगता है अब वक्त आ गया है कि मैं अपने पैशन को काम में बदलूं।

दलजीत का कहना है उनके कमबैक की ये जर्नी क्रिएटिविटी, आजादी और पैशन को लेकर है। बिजनेस फील्ड में कदम रखने से पहले एक्ट्रेस ने व्लॉगिंग में कदम रखा था। वो बेटे संग ट्रैवल करती हैं। वो बेटे को बड़े होते हुए देखना चाहती हैं। दिलजीत के तलाक का असर बेटे पर भी पड़ा था। इसलिए वो चाहती हैं जेडन को हर हाल में फैमिली स्ट्रगल से दूर रखें, उसे जिंदगी की हर खुशी दें।

दलजीत की टूटीं दो शादियां

दिलजीत की पहली शादी शालीन भनोट से हुई थी। उनकी लव मैरिज थी। लेकिन जल्द उनके सपनों का संसार बिखर गया। उनका इस शादी से एक बेटा जेडन है। बेटा होने के बाद भी ये शादी नहीं बच सकी। शालीन से तलाक के सालों बाद दिलजीत ने एनआरआई बिजनेसमैन निखिल पटेल संग दूसरी शादी की। मगर किसे पता था 10 महीने ही उनका रिश्ता टूट जाएगा। दिलजीत को निखिल ने धोखा दिया था। एक्ट्रेस कई दफा पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का खुलासा कर चुकी हैं।

रहमान डकैत के हुकस्टेप को शिल्पा ने किया कॉपी, धुरंधर को कहा देशभक्ति की कहानी

मुंबई । आदित्य धर की फिल्म धुरंधर अपने नाम की तरह ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ से ज्यादा का आंकड़ा पार कर चुकी है, जबकि फिल्म का बजट लगभग 280 करोड़ रुपए बताया गया है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी फिल्म की तारीफ की और इसके हुक-स्टेप को भी करके दिखाया। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अक्षय खन्ना की तरह डांस करते हुए वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वो बिल्कुल रहमान डकैत के हुक-स्टेप को कॉपी कर रही हैं। उन्होंने कैप्शन में फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, ÷फैन तो मिला नहीं, लेकिन मैं फैन हो गई हूं, तो यह ट्रेंड करना बनता था। रणवीर सिंह, आपका टाइम आ गया है। अंडरप्लेड लेकिन फिर भी कैरेक्टर में एकदम फिट। अक्षय खन्ना का ओजी ओरा मैक्स। आर. माधवन, आपसे बेहतर इस रोल को कोई नहीं कर सकता था। संजय दत्त, आप हमेशा की तरह रॉकस्टार लगे। उन्होंने आगे लिखा, कास्टिंग टीम ने फिल्म की शानदार कास्टिंग की और इसका क्रेडिट मुकेश छाबड़ा को जाता है, जिन्होंने ये सब एक साथ किया।

मेट्रो बाजार

शेयर बाजार में फंड जुटाने की रफ्तार तेज, जुटाए 1.3 लाख करोड़

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान फंड जुटाने की रफ्तार मजबूत बनी हुई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक 83 कंपनियों ने कुल 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस दौरान कई बड़े और चर्चित आईपीओ बाजार में आए, जिससे फंडरेजिंग को मजबूती मिली।रिपोर्ट के अनुसार, मेनबोर्ड पर जुटाई गई कुल राशि में से 41 फीसदी ताजा इक्विटी के जरिए और 59 फीसदी ऑफर फॉर सेल के माध्यम से आई। ताजा इक्विटी के तहत कंपनियां नए शेयर जारी करती हैं, जिससे जुटाई गई पूरी राशि सीधे कंपनी को मिलती है और इसका इस्तेमाल विस्तार, नई परियोजनाओं या कर्ज चुकाने में किया जाता है। वहीं ह्र्नस्स् के जरिए प्रमोटर या शुरुआती निवेशक अपने मौजूदा शेयर बेचते हैं। एनएसई ने बताया कि हाल ही में सूचीबद्ध इन कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। यह घरेलू पूंजी बाजार की गहराई और बड़े इश्यू को समाहित करने की क्षमता को दर्शाता है। निवेशकों की भागीदारी में भी अहम बदलाव देखने को मिला। रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 फीसदी हो गई, जो प्राथमिक बाजार में आम निवेशकों की बढ़ती रुचि को दिखाती है। वहीं, योग्य संस्थागत खरीदारों की हिस्सेदारी में कुछ नरमी आई है। एसएमई सेगमेंट में भी गतिविधियां तेज रहीं। एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इस अवधि में 80 कंपनियां सूचीबद्ध हुईं, जिन्होंने कुल 3,911 करोड़ रुपये जुटाए।

सरकार फरवरी से खुदरा महंगाई-जीडीपी के आंकड़ों की नई श्रृंखला करेगी जारी

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति के साथ-साथ राष्ट्रीय लेखा के लिए आधार वर्ष में बदलाव के साथ व्यापक आर्थिक आंकड़ों की एक नई श्रृंखला फरवरी में जारी होगी। इसके साथ ही औद्योगिक उत्पादन के नए आंकड़े अगले वर्ष मई में जारी किए गए जाएंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार यह जानकारी दी।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय ने मंगलवार को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार संशोधन पर एक पूर्व-रिलीज़ परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई की नई श्रृंखला, जिसके आंकड़े आधार वर्ष (2024=100) के हैं, 12 फरवरी, 2026 को जारी होने वाली है। वित्तीय वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए राष्ट्रीय लेखा संबंधी आंकड़े 27 फरवरी, 2026 को जारी किए जाने निर्धारित हैं। आधार वर्ष

2022-23 मानते हुए आईआईपी आंकड़ों की नई श्रृंखला 28 मई को जारी की जाएगी। मंगलवार को आयोजित होने वाली प्री-रिलीज परामर्श कार्यशाला, पहली कार्यशाला के बाद हो रही है, जो 26 नवंबर को मुंबई में आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी के चल रहे आधार संशोधन में प्रस्तावित पद्धतिगत और संरचनात्मक परिवर्तनों को साझा करना है ताकि प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया और टिप्पणियां प्राप्त की जा सकें।

मुसीबत: एच-1बी वीजा नवीनीकरण के लिए आए थे भारत

दूतावास ने रद्द किए साक्षात्कार हजारों भारतीय पेशेवर फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी वीजा प्रक्रिया में बदलाव हजारों भारतीय पेशेवरों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। दिसंबर की शुरुआत में अपने वर्क परमिट का नवीनीकरण कराने के लिए भारत लौटे तमाम एच-1बी वीजाधारक यहीं फंस गए हैं, क्योंकि अमेरिकी दूतावासों ने साक्षात्कार रद्द कर दिए हैं। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, ये साक्षात्कार 15 से 26 दिसंबर के बीच निर्धारित थे लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग की नई सोशल मीडिया जांच नीति के चलते इन्हें अचानक रोक दिया गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवेदकों की ऑनलाइन उपस्थिति और सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है।

अमेरिका की इस नई नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी आवेदक अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा न बने। भारत में अमेरिकी दूतावास ने 10 दिसंबर को कहा था कि अब एच-1बी धारकों और उनके आश्रितों (एच-4) के लिए भी यह जांच अनिवार्य होगी। एच-1बी वीजा का व्यापक रूप से अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की ओर से इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय पेशेवर इस वीजा के प्राप्तकर्ताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक हैं। भारत में अमेरिकी दूतावास ने Ⅱ-vB और H-4 वीजा आवेदकों के लिए एक्स पर एक पोस्ट में वैश्विक अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 15 दिसंबर से विदेश विभाग ने मानक वीजा स्क्रीनिंग के हिस्से के रूप में ऑनलाइन समीक्षा को व्यापक बना दिया है। यह उपाय इन वीजा के लिए आवेदन करने वाले सभी राष्ट्रीयताओं के आवेदकों पर विश्व स्तर पर लागू होता है। दूतावास के अनुसार, विस्तारित जांच प्रक्रिया का उद्देश्य एच-1बी कार्यक्रम के कथित दुरुपयोग को रोकना है। इसके साथ ही अमेरिकी कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ अस्थायी विदेशी पेशेवरों की भर्ती करने की अनुमति देना भी है। संसद के शीतकालीन सत्र में राज्यसभा में लिखित जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया था कि अमेरिकी प्रशासन अब वीजा संबंधी हर फैसले को राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णय मानता है।

साक्षात्कार स्थगित, आवेदक फंसे हुए

विस्तृत जांच प्रक्रिया के चलते भारत में 15 दिसंबर से पहले से निर्धारित हजारों एच-1बी साक्षात्कार अचानक कई महीनों के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। जिन आवेदकों ने नवीनीकरण के लिए पहले ही भारत की यात्रा कर ली थी, वे वैध वीजा के बिना अमेरिका में अपनी नौकरी पर वापस लौटने में असमर्थ हो गए हैं। कुछ आवेदकों के साक्षात्कार जो दिसंबर के मध्य में निर्धारित थे, उन्हें मार्च या यहां तक कि मई के अंत तक के लिए पुनर्निर्धारित किया गया।

बर्लिन में बोले- राहुल गांधी

वैश्विक संपत्ति है भारत का लोकतंत्र संस्थाओं पर हमले कर रही भाजपा

बर्लिन, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा उस संविधान को खत्म करने की बात कर रही है, जो सभी को समान अधिकार देता है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष एक ऐसा प्रतिरोध तंत्र तैयार करेगा, जो आखिरकार भाजपा को सत्ता से हटाने में कामयाब होगा। पिछले सप्ताह बर्लिन के हर्टी स्कूल में दिए गए अपने संबोधन में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश की संस्थाओं पर हमला कर अपने राजनीतिक हितों के लिए उन पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है और विपक्ष इसी के खिलाफ लड़ रहा है। सोमवार को कांग्रेस की ओर से जारी एक घंटे के वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत एक वैश्विक संपत्ति है और भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला वैश्विक लोकतंत्र पर हमला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हर्टी स्कूल के छात्रों से बातचीत में कहा कि भाजपा मूल रूप से संविधान को खत्म करने की सोच रही है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है राज्यों के बीच समानता के विचार को खत्म करना, भाषाओं और धर्मों के बीच समानता को खत्म करना और संविधान के उस मूल सिद्धांत को खत्म करना जिसमें हर व्यक्ति को समान महत्व दिया गया है। पॉलिटिक्स इज द आर्ट ऑफ लिसनिंग शीर्षक वाले वीडियो में राहुल गांधी ने कहा, हम विपक्ष के प्रतिरोध का एक तरीका और एक व्यवस्था बनाएंगे, जो सफल होगी। लेकिन हम भाजपा से नहीं लड़ रहे हैं, हम भारतीय संस्थागत ढांचे पर उनके कब्जे के खिलाफ लड़ रहे हैं।

भाजपा बोली- राहुल गांधी की कांग्रेस अराजकता चाहती है

राहुल के बयान पर बीजेपी ने उन पर तीखा हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल और कांग्रेस भारतीय लोकतंत्र में अराजकता और अशांति फैलाना चाहते हैं। भंडारी ने एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी कहते हैं कि लोग आपस में लड़ेंगे, भारत असफल हो जाएगा। क्या भारत से प्रेम करने वाला कोई व्यक्ति भारत को असफल होते देखना चाहेगा? राहुल की कांग्रेस, अपने वैचारिक संरक्षक जॉर्ज सोरोस के साथ, भारतीय लोकतंत्र में अराजकता और अशांति चाहती है।

नितिन नबीन से मिले सुरेश पचौरी

नई दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश पचौरी ने नई दिल्ली में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य मुलाकात की।

अरावली बचाने की लड़ाई तेज

सुप्रीम कोर्ट फैसले पर पुनर्विचार करें- पायलट

जयपुर। अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर सियासत और पर्यावरण बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अरावली से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार की मांग करते हुए केंद्र और चार भाजपा शासित राज्यों को कटघरे में खड़ा किया है। पायलट ने कहा कि भाजपा चाहे तो सुप्रीम कोर्ट से आग्रह करके अरावली क्षेत्र को पूरी तरह संरक्षित किया जा सकता है। पायलट ने आगाह किया कि अरावली पहाड़ियां पूरे एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं। यदि यहां अवैध खनन और पर्यावरणीय दोहन इसी तरह चलता रहा, तो इसके गंभीर नतीजे सामने आएंगे।

निलंबित जज को जमानत देने वाले जज का ट्रांसफर

इंदौर, एजेंसी। आईएएस संतोष वर्मा से जुड़े फर्जी आदेश मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। इस प्रकरण में आरोपियों को जमानत देने वाले सेशन जज का तबादला कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल ने इंदौर जिला न्यायालय में पदस्थ सेशन जज प्रकाश कसेरा का तबादला आदेश जारी किया है। उन्हें इंदौर से सीधी रामपुर सेशन कोर्ट में पदस्थ किया गया है। यह आदेश एक दिन पहले पारित किया गया।

बांग्लादेश पर यूएन की चिंता, अल्पसंख्यकों को सुरक्षित महसूस कराने की है जरूरत

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर गहरी चिंता जताई है। उनके प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले सभी लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए। प्रवक्ता ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और हाल ही में हिंदुओं की लिंचिंग के बारे में पूछे जाने पर कहा, सभी बांग्लादेशियों को सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। हम बांग्लादेश में देखी गई हिंसा को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश हो या कोई और देश, जो लोग बहुसंख्यक समाज का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें भी पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करेगी। इंकलाब मंच से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564